फरीदाबाद की आवाज़

Email : faridabadkiawaz@gmail.com

RNI No. -DELHIN/2017/76338

वर्ष : 08 अंक : 05 दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 6-12 जनवरी 2025

Website : faridabadkiawaz.com

मूल्य : 5/- रु. पृष्ठ : 8

ठंड और कोहरे का दौर जारी

उत्तर भारत के कई राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली में ठंड और कोहरे का दौर जारी है मौसम विभाग ने चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, यूपी, राजस्थान समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इसके चलते कहीं ऑरेंज तो कहीं येलो अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के मुताबिक उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में अगले दो दिन तक शीत लहर और कोहरे की स्थिति रहेगी। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के अलग-अलग स्थानों में 3 और 4 जनवरी को घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई थी। वहीं उत्तर प्रदेश में भी जबरदस्त ठंड का दौर जारी है। विजिबिलिटी भी काफी कम हो गई है। कई जगहों पर विजिबिलिटी घटकर 50-100 मीटर रह गई। यूपी में अति घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की गई थी।

दिल्ली से सटे बहादुरगढ़ में भी विजिबिलिटी महज 10 मीटर रही। 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी हवा चलीं। वायु प्रदूषण का स्तर भी बेहद खराब रिकॉर्ड किया गया। एक्यूआई 300 पार पहुंच गया है। वहीं, दिल्ली एनसीआर में ठंड के कारण लोग परेशान हैं। सड़क पर वाहन रेंगते नजर आ रहे हैं। इसका असर हवाई और रेल सेवा पर भी पड़ा है। घने कोहरे से उड़ानों पर भी असर हुआ है। आवाजाही और प्रस्थान रोक दिया गया। इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से उड़ने वाली 100 से ज्यादा उड़ाने देरी से रवाना हुईं। रनवे पर लो विजिबिलिटी प्रोसीजर लागू कर विमानों की आवाजाही कराई गई। इससे कई विमानों का संचालन देरी से हुआ। दिल्ली-एनसीआर में भी

घना कोहरा छाया रहा। गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गुरुग्राम में भी शीतलहर चल रही है। तापमान लगातार नीचे आ रहा है। मौसम पूर्वानुमान में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहने का संकेत दिया है। वहीं शनिवार सुबह बहादुरगढ़ का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मणिपुर में फिर हिंसा, भीड़ ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर हमला किया

इंफाल ।(एजेंसी)

मणिपुर में हिंसा थम नहीं रही है। सैबोल गांव से केंद्रीय बलों को कथित रूप से नहीं हटने को लेकर भीड़ ने कांगपोकपी जिले में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर हमला कर दिया। इस हमले में कई लोगों के घायल होने की खबर है। इसके अलावा कांगपोकपी के एसपी भी घायल हुए हैं। राज्य 3 मई 2023 से हिंसा की आग में लगातार जल रहा है। कुकी संगठन सैबोल गांव में 31 दिसंबर को सुरक्षा बलों द्वारा महिलाओं पर कथित रूप से लाठीचार्ज करने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

हमलावरों ने गांव में केंद्रीय बलों, खासकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की लगातार तैनाती पर अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए कार्यालय पर पथराव किया और अन्य चीजें भी फेंकी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के परिसर में रखे जिला पुलिस के वाहनों को क्षतिग्रस्त

हुए है। मणिपुर हिंसा के लिए सीएम बीरेन सिंह ने 31 दिसंबर 2024 को माफी मांगी थी। उन्होंने साल 2024 को दुर्भाग्य से भरा बताया था। सीएम बीरेन सिंह ने कहा था कि वह अब तक की हिंसा के लिए राज्य के लोगों से माफी मांगते हैं। मुझे खेद है और पिछले 3 मई से आज तक राज्य के लोगों से माफी मांगना चाहता हूं। कई लोगों ने अपनों को खोया है। कई लोगों ने अपने घरों को छोड़ दिया। मुझे वाकई में पछतावा है। मैं माफी मांगना चाहता हूं। अब, मुझे उम्मीद है कि शांति की दिशा में पिछले 3-4 महीनों की प्रगति को देखने के बाद, मुझे उम्मीद है कि नए साल 2025 के साथ, राज्य में सामान्य स्थिति और शांति बहाल हो जाएगी।

सम्पादकीय

कर्मचारियों की कमी से जूझती शासन व्यवस्था

सरकारी कर्मचारियों का छोटा आकार अधिकारियों पर अत्यधिक बोझ डालता है, जिससे प्रभावी नीति निष्पादन मुश्किल हो जाता है। अपर्याप्त जनशक्ति और अत्यधिक प्रक्रियाओं के कारण सेवाओं में देरी होती है, क्योंकि अधिकारी काम की मात्रा को संभालने के लिए संघर्ष करते हैं। भारतीय राज्य में प्रति व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों की संख्या कम है, जिसके परिणामस्वरूप जटिल शासन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कर्मियों की कम उपस्थिति है। भारत में प्रति मिलियन केवल 1,600 केंद्रीय सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिका में प्रति मिलियन 7,500 हैं, जिससे राज्य की दक्षता प्रभावित होती है। कम सिविल सेवकों के बावजूद, नौकरशाही लाइसेंसिंग, परमिट और मंजूरी जैसी जटिल प्रक्रियाओं में फंसी हुई है। व्यवसाय शुरू करने के लिए मंजूरी, परमिट और अनुमोदन की भूलभुलैया से गुजरना पड़ता है जो प्रगति में बाधा डालते हैं और परिणामों में देरी करते हैं। भारतीय राज्य में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पुलिसिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कुशल पेशेवरों की कमी है। लोगों की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न स्तरों पर योग्य पेशेवरों की भर्ती बढ़ाएँ, जिससे कुशल कार्यबल सुनिश्चित हो। मिशन कर्मयोगी जैसे पार्श्व प्रवेश कार्यक्रम और विशेष प्रशिक्षण पहल सिविल सेवकों के कौशल और दक्षता में सुधार कर सकते हैंज भारतीय शासन व्यवस्था को अक्सर %लोगों की कमी% लेकिन %प्रक्रियाओं की कमी% के रूप में वर्णित किया जाता है, जो कि प्रभावी शासन के लिए उपलब्ध बड़ी प्रशासनिक मशीनरी और सीमित मानव संसाधनों के बीच असंतुलन को दर्शाता है। जबकि नौकरशाही प्रक्रियाएँ अच्छी तरह से स्थापित हैं, कर्मियों की कमी कुशल कार्यान्वयन में बाधा डालती है। यह विरोधाभास देरी, अक्षमताओं और अपर्याप्त सार्वजनिक सेवा वितरण का कारण बनकर शासन को प्रभावित करता है, जिससे नागरिकों की जरूरतों के प्रति राज्य की जवाबदेही कम होती है। शासन व्यवस्था को %लोगों की कमी% लेकिन %प्रक्रियाओं की कमी% के रूप में वर्णित किया जाता है। भारतीय राज्य में प्रति व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों की संख्या कम है, जिसके परिणामस्वरूप जटिल शासन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कर्मियों की कम उपस्थिति है। भारत में प्रति मिलियन केवल 1,600 केंद्रीय सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिका में प्रति मिलियन 7,500 हैं, जिससे राज्य की दक्षता प्रभावित होती है। कम सिविल सेवकों के बावजूद, नौकरशाही लाइसेंसिंग, परमिट और मंजूरी जैसी जटिल प्रक्रियाओं में फंसी हुई है। व्यवसाय शुरू करने के लिए मंजूरी, परमिट और अनुमोदन की भूलभुलैया से गुजरना पड़ता है जो प्रगति में बाधा डालते हैं और परिणामों में देरी करते हैं। भारतीय राज्य में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पुलिसिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कुशल पेशेवरों की कमी है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास केवल 7,000 कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व में 22,000 कर्मचारी हैं, जो राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता के प्रबंधन में प्रभावशीलता को सीमित करता है। नीति-निर्माण अत्यधिक केंद्रीकृत है, लेकिन कार्यान्वयन सीमित फ्रंटलाइन कर्मियों द्वारा की जाने वाली एक बोझिल प्रक्रिया बनी हुई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजनाओं को क्रियान्वित करता है, जबकि नीति निर्माण मंत्रालय स्तर पर रहता है, जिससे देरी और लागत में कमी आती है। सरकारी कर्मचारियों का छोटा आकार अधिकारियों पर अत्यधिक बोझ डालता है, जिससे प्रभावी नीति निष्पादन मुश्किल हो जाता है। अपर्याप्त जनशक्ति और अत्यधिक प्रक्रियाओं के कारण सेवाओं में देरी होती है, क्योंकि अधिकारी काम की मात्रा को संभालने के लिए संघर्ष करते हैं। बोझिल विनियामक मंजूरी और अग्रिम पंक्ति के निर्णय लेने वाले प्राधिकरण की कमी के कारण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को लागत में वृद्धि और देरी का सामना करना पड़ता है। नीति निर्माण और निष्पादन का विभाजन निर्णय लेने वालों और सेवा कार्यान्वयनकर्ताओं के बीच एक वियोग पैदा करता है, जिससे खराब प्रदर्शन के लिए जवाबदेही कम हो जाती है। जब सड़क निर्माण परियोजनाओं में समस्याएँ आती हैं, तो मंत्रालयों और कार्यान्वयनकर्ताओं के बीच निगरानी के लिए स्पष्ट ज़िम्मेदारी की अनुपस्थिति के कारण दोषारोपण और अक्षमताएँ होती हैं। सरकार के भीतर कौशल की कमी के कारण महत्वपूर्ण कार्यों के लिए निजी परामर्श फर्मों पर निर्भरता बढ़ जाती है, जिससे सार्वजनिक व्यय बढ़ जाता है। भारत सरकार ने उन कार्यों के लिए परामर्श शुल्क पर 500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए, जिन्हें बेहतर प्रशिक्षित अधिकारियों के साथ घर में ही प्रबंधित किया जा सकता था। नौकरशाही की जटिल प्रक्रियाएँ जोखिम लेने और विवेकाधीन निर्णय लेने से परहेज़ पैदा करती हैं, जिससे नवाचार बाधित होता है और अनुकूलन धीमा होता है। उच्च सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन और नौकरी की सुरक्षा के साथ प्रोत्साहनों का गलत संरेखण ऐसे लोगों को आकर्षित करता है जो सामाजिक सेवा के बजाय वित्तीय लाभ से प्रेरित होते हैं। लोगों की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न स्तरों पर योग्य पेशेवरों की भर्ती बढ़ाएँ, जिससे कुशल कार्यबल सुनिश्चित हो। मिशन कर्मयोगी जैसे पार्श्व प्रवेश कार्यक्रम और विशेष प्रशिक्षण पहल सिविल सेवकों के कौशल और दक्षता में सुधार कर सकते हैं। कार्यान्वयन से संबंधित निर्णय लेने, जवाबदेही में सुधार और प्रक्रियाओं को गति देने के लिए प्रत्यायोजित अधिकार के साथ फ्रंटलाइन कर्मियों को सशक्त बनाएँ। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के समान नीतियों को क्रियान्वित करने में फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को अधिक नियंत्रण देने से देरी कम होती है और दक्षता में सुधार होता है। लाइसेंस और मंजूरी के बोझ को कम करने के लिए नौकरशाही प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करें, जिससे नागरिकों और व्यवसायों के लिए सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच आसान हो।

दिनेश शर्मा

पहला कॉलम

सेना का ट्रक खाई में गिरने से 04 जवान शहीद, 2 गंभीर रूप से घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार दोपहर हुए एक बड़े सड़क हादसे में सेना के 04 जवान शहीद हो गए। भारतीय सेना का एक ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा, जिसमें 04 जवान शहीद हो गए, जबकि 02 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा बांदीपोरा जिले के एसके पायीन इलाके में हुआ। अधिकारियों के अनुसार, खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में गिर गया। घटना के समय ट्रक में कुल छह जवान सवार थे। सेना ने हादसे पर बयान जारी करते हुए कहा है, कि यह घटना अत्याधिक खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण घटित हुई है। भारतीय सेना ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि हादसे की विस्तृत जांच की जा रही है। इसके साथ ही घायलों का बेहतर इलाज किया जा रहा है। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है।

उपराज्यपाल ने जताया शोक

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एलजी ने कहा, कि भारतीय सेना के बहादुर जवानों की शहादत पर गहरा दुख है। राष्ट्र उनके बलिदान और सेवा को हमेशा याद रखेगा।

गोरखपुर में दो छात्रों ने वेबसाइट हैक कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी

गोरखपुर । गोरखपुर के बीबीए की तैयारी करने वाले दो छात्रों ने क्वीन क्रूज की वेबसाइट हैक कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की। आरोपितों में राजन साहनी और शिवम निषाद शामिल हैं। इन दोनों ने क्रूज के टिकटों को एक रुपये में बुककर, 31 दिसंबर को पार्टी की थी। पुलिस और एसटीएफ ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, शिवम और राजन ने एप का इस्तेमाल कर वेबसाइट हैक कर उसके द्वारा टिकट बुक किए। पहले, 27 दिसंबर को राजन ने एक टिकट बुक किया था, इसके बाद शिवम ने फिर से 31 दिसंबर को चार टिकट बुक किए, जिसकी कुल कीमत 12 हजार रुपये थी। धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ जब साफ्टवेयर मैनेजर ने क्रूज के खातों की जांच की। तब पता चला कि वेबसाइट में भुगतान सफल दिखने के बावजूद, सिर्फ एक रुपये ही खाते में जमा हुए थे। जांच में शिवम के पास से लैपटॉप और महंगे मोबाइल बरामद हुए, जो कि शिवम ने धोखाधड़ी से कमाए गए पैसों से खरीदा था।

दिल्ली और पंजाब को दहला सकते हैं आंतकवादी, खुफिया विभाग का अलर्ट

नई दिल्ली । नए साल के शुरू होते ही देश की खुफिया एजेंसियों ने एक बड़ा आतंकी अलर्ट जारी कर दिया है। खुफिया विभाग को पाकिस्तान और बांग्लादेश के आतंकियों की एक बड़ी साजिश का पता चला है। इसके के मुताबिक, दिल्ली और पंजाब को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और बांग्लादेश के आतंकवादी निशाना बना सकते हैं। आईएसआई भारत में सीरियल बम ब्लास्ट करने की योजना बना रही है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, आईएसआई और पाकिस्तान में मौजूद इस्लामिक आतंकवादी संगठन, बांग्लादेश की मदद से भारत में सिलसिलेवार बम धमाके करने की तैयारी में हैं। ये आतंकी संगठन बड़े शहरों में व्यस्त इलाकों को अपना निशाना बना सकते हैं। आतंकी संगठन बांग्लादेश और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकियों के साथ मिलकर भारत के प्रमुख शहरों में हमला कर सकते हैं। खासकर नई दिल्ली, पंजाब और अन्य मेट्रो शहरों के व्यस्ततम इलाकों को निशाना बनाया जा सकता है।

अब 18 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं बना सकेंगे सोशल मीडिया अकाउंट

केंद्र सरकार ने बच्चों की डेटा सुरक्षा और गोपनीयता को लेकर उठाया कदम

नई दिल्ली।(एजेंसी)

केंद्र सरकार ने बच्चों की डेटा सुरक्षा और ऑनलाइन गोपनीयता को सुनिश्चित करने एक अहम कदम उठाया है। अब 18 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाने के लिए उनके माता-पिता या अभिभावक की इजाजत लेना जरुरी होगा। यह फैसला इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी किए गए व्यक्तिगत डिजिटल डेटा संरक्षण अधिनियम (डीपीडीपी) 2023 के तहत लिया गया है।

इस कदम का उद्देश्य बच्चों को ऑनलाइन खतरों, गलत सूचनाओं और साइबर बुलिंग से बचाना है। इस नीति के तहत बच्चों को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जिम्मेदारी से गतिविधियां करने की उम्मीद है, जबकि उनके डेटा की सुरक्षा भी तय की जाएगी। माता-पिता को इसमें शामिल करने से यह तय हो जाएगा

कि वे अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर निगरानी रख सकें। यदि कोई सोशल मीडिया कंपनी या डेटा फिड्यूशरी इन नियमों का पालन नहीं करती है, तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

यह कदम कंपनियों को ज्यादा जिम्मेदार बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि वे बच्चों के डेटा की सुरक्षा और संबंधित नियमों का पालन गंभीरता से करें। सरकार ने इन नियमों को लागू करने से पहले नागरिकों, संगठनों और तकनीकी विशेषज्ञों से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। इसके लिए 18 फरवरी तक का समय तय किया है। प्राप्त सुझावों का गहराई से अध्ययन किया जाएगा और आवश्यकता अनुसार मसौदे में बदलाव किया जाएगा। इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह तय करना है कि ये नियम सभी के लिए उचित और प्रभावी हों।

वर्तमान मसौदे में उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन जुर्माने का प्रावधान नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है। सरकार ने इसे सलाहकार और दिशा-निर्देश के तौर पर जारी किया है और भविष्य में यदि कंपनियां इन नियमों का उल्लंघन करती हैं, तो सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। आज के समय में जब स्मार्टफोन का उपयोग बढ़ रहा है, छोटे बच्चे भी सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं।

केजरीवाल का दावा, आप के खिलाफ दिल्ली में गठबंधन करके लड़ रही कांग्रेस और भाजपा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

पंजाब की महिलाओं के समूह ने शनिवार को दिल्ली में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर विरोध कर दावा किया कि पंजाब विधानसभा चुनावों के दौरान उनके द्वारा किए गए वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। इस प्रदर्शन पर आप के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, वे महिलाएं उनकी (कांग्रेस और भाजपा) पार्टी की हैं।

वे पंजाब से नहीं आई हैं, पंजाब की महिलाएं हमारे साथ हैं। उन्हें आप पर भरोसा है। कांग्रेस और भाजपा को आधिकारिक तौर पर घोषणा करनी चाहिए कि वे दिल्ली में आप के खिलाफ मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। केजरीवाल ने कहा, दिल्ली में हमारी सरकार पिछले 10 सालों से लोगों को मुफ्त पानी दे रही है। 12 लाख से ज़्यादा परिवारों को 0 पानी का बिल आता है। लेकिन मेरे जेल जाने के बाद, मुझे नहीं पता कि इन लोगों ने क्या किया। इन लोगों ने कुछ गलत किया और हर महीने हजारों-लाखों रुपये का पानी का बिल आना शुरू हो गया। मैं सार्वजनिक रूप से और आधिकारिक तौर पर घोषणा करना चाहता हूं कि जिन लोगों को लगता है कि उनके बिल गलत हैं, उन्हें अपने पानी के बिल का भुगतान करने की जरूरत नहीं है, उन्हें इंतज़ार करना चाहिए। चुनाव के बाद आप की सरकार बनेगी और हम उनके गलत बिलों को माफ करवाएंगे। यह मेरा सभी लोगों से वादा है, यह मेरी गारंटी है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे से अलका लांबा ने की मुलाकात, आतिशी के खिलाफ लड़ेंगी चुनाव

नई दिल्ली।(एजेंसी)

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने एक और उम्मीदवार की सूची जारी की है, जिसमें अलका लांबा को दिल्ली की मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार आतिशी के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा गया है। इसी सिलसिले में अलका लांबा पार्टी अध्यक्ष खड़गे से आशीर्वाद लेने उनके कार्यालय पहुंचीं हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस ने अलका लांबा को कालकाजी विधानसभा सीट से पार्टी का टिकट दिया है। अलका लांबा ने साल 2025 के पहले दिन कालकाजी मंदिर में दर्शन किए थे, जिसके बाद सोशल मीडिया पर यह चर्चा शुरू हो गई थी कि वह कालकाजी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकती हैं।

कांग्रेस ने इन चर्चाओं को सच साबित करते हुए उन्हें इस सीट से प्रत्याशी घोषित कर दिया है। अब वह मौजूदा विधायक और सीएम आतिशी के खिलाफ चुनावी मुकाबले में होंगी।

इस बीच अलका लांबा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे से मुलाकात कर उनसे आशीर्वाद लिया है। यह कदम कांग्रेस की दिल्ली विधानसभा चुनाव की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें पार्टी ने कई अन्य उम्मीदवारों को भी मैदान में उतारा है।

सीबीआई को राज्यों में तैनात केंद्र के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए राज्यों की अनुमति की जरुरत नहीं

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने कहा हैं कि सीबीआई को राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों में तैनात केंद्र के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए राज्य सरकारों की अनुमति की जरुरत नहीं है। जस्टिस सी.टी. रविकुमार और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को पलट दिया जिसमें भ्रष्टाचार के मामले में दो केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई जांच को रद्द किया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि तैनाती के स्थान पर ध्यान दिए बिना, पूर्वोक्त तथ्यात्मक स्थिति यह दिखाती है कि वे केंद्र सरकार के कर्मचारी/ केंद्र सरकार के उपक्रम के कर्मचारी थे और कथित रूप से उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गंभीर अपराध किया है, जो एक केंद्रीय अधिनियम है। यह मामला आंध्र प्रदेश में कार्यरत केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ। उन्होंने सीबीआई के अधिकार क्षेत्र को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, इसमें तर्क दिया गया था कि दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (डीएसपीई अधिनियम) के तहत अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य द्वारा सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति, विभाजन के बाद नवगठित आंध्र प्रदेश राज्य पर स्वतः लागू नहीं होती। उच्च न्यायालय ने आरोपियों से सहमति जाहिर की, जिन पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ था, प्राथमिकी रद्द कर इस बात पर जोर दिया कि आंध्र प्रदेश से नए सिरे से सहमति लेना आवश्यक है। जस्टिस रविकुमार, जिन्होंने 32 पृष्ठ का निर्णय लिखा था, हाई कोर्ट की व्याख्या से असहमत थे। साथ ही, उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट ने सीबीआई की जांच के लिए राज्य से नए सिरे से सहमति मांगने में गलती की थी। पीठ ने कहा कि डीएसपीई अधिनियम के तहत राज्य द्वारा दी गई सामान्य सहमति केंद्रीय अपराधों से संबंधित सीबीआई जांच के लिए पर्याप्त है और इसके लिए नई सहमति जैसी राज्य-विशिष्ट औपचारिकताओं की आवश्यकता नहीं है।

इस बार का डिजिटल महाकुंभ होगा ज्यादा आकर्षक

डेटा और तकनीक, एआई और चैटबॉट का इस्तेमाल.....

प्रयागराज ।(एजेंसी)

इस बार डेटा और तकनीक का इस्तेमाल कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को कुंभ में आने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। हम पहली बार एआई और चैटबॉट तकनीक का इस्तेमाल हो रहा हैं। यह भारतीय भाषाओं में संवाद करने में सक्षम है। यह बात पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में कही थी। 2019 का अर्द्ध कुंभ केंद्र और प्रदेश की बीजेपी सरकार के लिए पहला था। तब योगी सरकार ने दिव्य और भव्य कुंभ का स्लोगन दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने इस डिजिटल कुंभ कहा है। संगम की रेती पर पहली बार बसने जा रहा है 'डिजिटल कुंभ मेला।' प्रधानमंत्री ने अपने पूरे भाषण में कई बार इशारा भी किया कि इस बार कुंभ में तकनीक का इस्तेमाल कर श्रद्धालुओं की यात्रा का आसान करेगा। मेला क्षेत्र में जगह-जगह बड़े-बड़े होर्डिंग लगे हैं। इन पर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी की फोटो के साथ ही दिव्य, भव्य और डिजिटल कुंभ का स्लोगन लिखा है। हर होर्डिंग के नीचे क्यूआर कोड भी लगे हैं। जिन्हें स्कैन करते ही श्रद्धालु कुंभ के वर्चुअल संसार में पहुंच जाएंगे। उन्हें कुंभ से जुड़ी छोटी-बड़ी सभी जानकारी मिल जाएगी। इन्हें स्कैन कर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु अपने स्मार्टफोन पर कुंभ का वर्चुअल टूर कर सकते हैं।

आखिर क्या है यह डिजिटल कुंभ

यह समझने के लिए सबसे पहले कुंभ मेला क्षेत्र में बने कंट्रोल रूम पहुंचे। यहां लगे 100 से ज्यादा कंप्यूटर और स्क्रीन पर मेला क्षेत्र की चप्पे-चप्पे की तस्वीर और लाइव वीडियो की 24 घंटे मॉनिटरिंग हो रही है। पूरे काम की निगरानी कर रहे अधिकारी ने बताया, कोई हार्डकोर क्रिमिनल, आतंकी या अपराधी अगर मेला क्षेत्र में आता है, तब पकड़ा जाएगा। इसकी मॉनिटरिंग फेस रिकग्निशन (एफआर) कैमरे से की जा रही है। कुछ ही सेकेंड में उससे जुड़ा डेटा एआई से पुलिस कंट्रोल रूम में मौजूद डेटा बेस से मैच होगा और उसके फेस पर रेड-

फ्लैग लग जाएगा। इसके बाद वह जहां-जहां जाएगा, सभी कैमरे उसकी लगातार मॉनिटर करते रहने वाले है। यह अलर्ट कंट्रोल रूम के साथ मेले में मौजूद सभी पुलिसकर्मियों के फोन पर भी जाएगा और संदिग्ध गिरफ्त में होगा।

4 जनवरी को खनोरी बॉर्डर पर होगी महापंचायत, ज्यादा से ज्यादा किसानों को पहुंचने की अपील

जींद। हरियाणा पंजाब के खनोरी बॉर्डर पर 38 दिन से अनशन पर बैठे किसान नेता डल्लेवाल को समर्थन देने दक्षिण भारत से भी 3 किसान नेता पहुंचने शुरू हो गए । किसान नेताओं ने कहा हमारी सुप्रीम कोर्ट से एक ही मांग है केंद्र सरकार द्वारा किसानों से किये गए वायदे पूरे करवाए । उन्होंने 4 जनवरी को खनोरी बॉर्डर पर होने वाली महापंचायत में ज्यादा से ज्यादा किसानों को पहुंचने की अपील की ।

डॉक्टर की टीम में डल्लेवाल का मेडिकल बुलेटिन जारी करते हुए कहा कि आज पहले से ज्यादा उनकी तबीयत बहुत डाउन है उनकी किडनी का क्रेटनिया बढ़ रहा है ,जिएफआर घट रहा है,लिवर के टेस्ट भी चिंताजनक है । उनके शरीर में केवल हड्डियों का ही ढांचा रह गया है । प्रधानमंत्री जी को फ़िल्म हस्तियो से मिलने का समय है लेकिन हाड़ कांप ठंड में किसान तिल तिल मर रहा है उनके लिए समय नही है । उन्होंने देश वासियों से अपील करते हुए कहा कि हमारे विचार अलग हो सकते है लेकिन इंसानियत के नाते हमें अरदास करनी चाहिए की सरकार के मन पर असर हो और हमारी मांग मान ले व अनशन खत्म हो जाए । डॉक्टर ने कहा में उनको तिल तिल मरता हुआ नही देख सकता सब अरदास करे मिलकर की उनकी जान बच सके

सयुंकत किसान मोर्चा गैर राजनीतिक मोर्चा है 26 नवंबर से किसान डल्लेवाल आमरण अनशन पर बेठे है । दक्षिण भारत से आये किसान शांता कुमार कर्नाटक से,तमिलनाडु से ,मैडम सुधा पांडिचेरी से पहुंचे । उसको लेकर तमिलनाडु में 2 बार ट्रेनें रोकी गयी सेंकडो किसान अलग अलग जगह भुख हड़ताल पर रहे । हमारी हर कॉल को दक्षिण भारत ने पूरी बखूबी से निभाया है। सुखविंदर सिंह ने कहा कि डल्लेवाल जी ने 4 जनवरी को खनोरी बॉर्डर पर साध संगत के दर्शन करने की इच्छा जाहिर की है । डल्लेवाल जी 38 दिनों से धरने पर बैठे कर जिंदगी व मौत की लड़ाई लड़ रहे है । किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई को लेकर कहा कि हमने सवैधानिक संस्थाओं का सम्मान किया है हमारी मंशा एक ही है सरकार से जो वादे हमसे किये गए है उन्हें पूरा करवा फ़िया जाए ।

चरखी दादरी में माइनिंग क्षेत्र में खिसका पहाड़, मलबे में दबी कई गाड़ियां, व्यक्ति घायल

चरखी दादरी ।प्रदेश में आए दिन सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं जहां चरखी दादरी में माइनिंग क्षेत्र में आज यानी गुरुवार को पहाड़ खिसक गया, जिसके कारण गाड़ियां और मशीन मलबे के नीचे दब गए । इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार आज सुबह करीब दस बजे पिचौपा कलां पहाड़ के माइनिंग क्षेत्र में खनन के दौरान पहाड़ खिसक गया, जिसके कारण मौके पर हड़कंप मच गया। पहाड़ खिसकने के कारण गाड़ियां और मशीनें दब गई । लोग मलबे को हटा रहे हैं । हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया है, जिसके पैर में चोट आई है। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है । दूसरी ओर पहाड़ खिसकने की सूचना मिलने से बाढ़ड़ा एसडीएम सुरेश कुमार, SHO दिलवार सिंह, भिवानी से लेबर विभाग टीम, चरखी दादरी फॉरेस्ट टीम मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की है । माइनिंग का काम करने वाले सुधीर ने बताया कि काम करने के दौरान ये हादसा हुआ है । ऊपर से पत्थर आकर ट्रक पर गिरा, जिससे ड्राइवर के पैर में चोट आई है ।

हरिद्वार में हरियाणा के युवकों के साथ हुआ बड़ा हादसा....यूं खींच ले गई मौत

चंडीगढ़ । नए साल की शुरुआत सड़क हादसों से हुई। हरिद्वार में बहादराबाद थाना क्षेत्र के शनिदेव मंदिर के पास दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां हाईवे पर हरियाणा के युवकों की कार ट्रक से टकरा गई। इस दौरान चार युवकों की मौत हो गई जबकि एक युवक गंभीर घायल हो गया है।

हरिद्वार घूमने जा रहे थे हरियाणा के 5 युवक

बताया जा रहा है कि बुधवार देर रात हरियाणा से पांच युवक हरिद्वार घूमने आ रहे थे। इस दौरान उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में टकरा गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। वहीं कार में बैठे केयर सिंह(35) पुत्र दिलीप सिंह, आदित्य(38)पुत्र हवा सिंह, मनीष(36) पुत्र बलवान की मौके पर ही मौत हो गई। घायल दो को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्रकाश(40) पुत्र रघुवीर को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिपाल पुत्र घांसीराम को डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर किया है। पांचों युवक एक ही गांव लिसाड़ी जिला रेवाड़ी हरियाणा से थे।

New Year पर एक्शन मोड में नजर आई अम्बाला पुलिस, स्पा सेंटरों में छापेमारी कर लड़कियों सहित कई लोग हिरासत में

अंबाला। स्पा सेंटरों की आड़ में अवैध गतिविधियों को अंजाम देने वाले स्पा सेंटर अंबाला पुलिस की रडार पर हैं। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि नए साल की पहली ही शाम अम्बाला पुलिस ने शहर में चल रहे विभिन्न स्पा सेंटरों पर छापेमारी की। जिसमें एक स्पा सेंटर के मालिक सहित एक व्यक्ति व कुछ लड़कियों को हिरासत में लिया गया है। जानकारी देते हुए एसपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ स्पा सेंटरों में अवैध गतिविधियां चल रही हैं, जिसके चलते सबसे पहले कचहरी चौक पर स्थित क्वालिटी स्पा सेंटर में छापेमारी की गई, लेकिन वहां हालात ठीक पाए गए। इसके बाद शहर के सेक्टर-7 में रॉयल किंग स्पा में छापेमारी की गई तो अवैध गतिविधियों से जुड़े कुछ सबूत पुलिस के हाथ लगे। जिसके बाद मौके से स्पा सेंटर के मालिक सहित एक व्यक्ति व कुछ लड़कियों को हिरासत में लिया गया। सृष्टि गुप्ता ने बताया कि बिना ट्रेड लाइसेंस चल रहे क्वालिटी स्पा सेंटर को भी बंद करवाया जाएगा।

भिवानी में पानी में डूबने से युवती की मौत, करंट लगने से टैंक में गिरी थी मृतका

भिवानी ।भिवानी जिले के गांव कितलाना में युवती कपड़े धोते समय करंट लगने से घर में बने पानी के टैंक जा गिरी। जिससे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। युवती को परिजनों द्वारा भिवानी के सामान्य अस्पताल लाया गया। वहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस घटना स्तर पर पहुंची और जांच शुरु की। पुलिस ने युवती के पिता के बयान पर कार्रवाई करते हुए सामान्य अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम करवाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया है।

मोटर चलाने पर लगा करंट

जानकारी के मुताबिक गांव कितलाना निवासी संजय ने सदर थाना पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसकी 21 वर्षीय बेटी जरीना घर पर कपड़े धो रही थी। इसी दौरान वह पानी की मोटर चलाने लगी तो अचानक करंट लग गया। जिस कारण वह घर में बने पानी के टैंक (हौद) में जा गिरी। जिस कारण उसकी मौत हो गई। पानी के हौद से निकाल कर उसे भिवानी सामान्य अस्पताल में पहुंचाया गया। वहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वहीं जांच अधिकारी एएसआई संजय ने बताया कि पुलिस ने युवती के पिता के बयान पर इत्फाकिया मौत मामले की कार्रवाई की है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों के हवाले कर दिया है।

ड्रग मुक्त टीमों को हरियाणा में मिली बड़ी कामयाबी, 700 गांवों में सर्वे कर 7 हजार ड्रग पीड़ितों की कर चुकी पहचान

जींद। हरियाणा पुलिस ने एडीजीपी के निर्देशन में इस ड्रग मुक्त टीमों ने हिसार मंडल के 700 गांवों में सर्वे कर 7 हजार ड्रग पीड़ितों की पहचान की है। डॉ एम. रवि किरण, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हिसार मंडल के मार्गदर्शन में हिसार मंडल के सभी 6 जिलों में ड्रग मुक्त अभियान चलाया जा रहा है।

इस ड्रग मुक्त अभियान के तहत 31 दिसंबर, 2024 तक ड्रग मुक्ति टीमों ने हिसार मंडल के 700 गांवो में डोर टू डोर सर्वे कर 7000 ऐसे युवाओं की पहचान की है जो ड्रग्स के दलदल में फंसे हुए हैं।

ड्रग मुक्ति टीमों ने ड्रग्स की लत में फंसे युवाओं व उनके परिजनों की काउंसलिंग करवाई है। टीमों ने नशे की लत में फंसे युवाओं को अपना उपचार करवाने के लिए प्रेरित किया है। टीमों ने हिसार मंडल में लगभग 3700 युवाओं का इलाज विभाग की गाड़ियों से ड्रग पीड़ितों को सरकारी अस्पताल के नशा मुक्ति केंद्रों में ले जाकर शुरू करवाया है। पीड़ितों का चेकअप करवाकर काउंसलिंग व उपचार शुरू करवाया है।

3700 युवाओं का इलाज करवाया है शुरू

ड्रग मुक्ति टीमों ने ड्रग्स से ज्यादा प्रभावित गांवों में नशा मुक्ति कैंप भी लगवाए हैं। पंचायतों के सहयोग से लगाए गए कैंपों में पीड़ितों के लिए खानपान की व्यवस्था भी की है। उनकी दिनचर्या में बदलाव के लिए 10 दिनों तक कैंपों में रखा गया है। पीड़ितों को सही मार्ग पर लाने के प्रयास में योग क्रियाओं के साथ-साथ साइकोलॉजिस्ट व विद्वानों के प्रेरक व्याख्यान भी करवाये हैं।

एडीजीपी के मार्गदर्शन में अब तक हिसार मंडल के 552 गांवों व 67 वार्डों को ड्रग मुक्त घोषित करवाया जा चुका है। ड्रग मुक्त घोषित गांवों में जिला हिसार के 75, पुलिस जिला हांसी के 80, जिला सिरसा के 148, फतेहाबाद के 150, जींद के 66 व पुलिस जिला डबवाली के 33 गांव शामिल है।

पंचायतें व समाजसेवी कर रहे सहयोग

इस अभियान में पंचायतो व गांव के समाजसेवियों ने पूर्ण सहयोग किया है। ड्रग मुक्त घोषित कुछ गांवो में कुछ व्यक्तियों का दोबारा ड्रग की लत में पड़ने की शिकायतें प्राप्त हुई उन गांवों में दोबारा सर्वे कर भटके युवाओं का फिर से उपचार शुरू कराया जाएगा। ड्रग्स की लत सोशल स्टिग्मा भी है, जिसकी वजह से बहुत से नशा पीड़ित सामने नहीं आते व पुलिस टीम से सहयोग भी नहीं लेते हैं। ऐसे लोगों को भी प्रेरित किया है जो गुप्त तरीके से ड्रग की लत में पड़े अपने बच्चों उपचार करवा रहे है।

नशे के खिलाफ सबको होना पड़ेगा एकजुट- एडीजीपी

एडीजीपी डॉ. एम रवि किरण ने बताया कि इस अभियान से समाज में जागृति आई है। लोग नशे के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। उन्होंने बतलाया कि हिसार मंडल को ड्रग मुक्त करने के लिए मंडल पुलिस द्वारा तीन स्तर पर कार्य किया जा रहे हैं। पहले नशे की डिमांड को नियंत्रित करने की दिशा में नशा मुक्ति टीमों का गठन किया गया। ड्रग के लत से पीड़ित युवाओं की पहचान, उनका उपचार करवाकर उन्हें मुख्यधारा में शामिल करना। दूसरे स्तर पर स्कूलों, कॉलेज में शिक्षारत युवा पीढ़ी को जागरूक करना ताकि युवा इस बीमारी से बचें रहें। तीसरा स्तर पर ड्रग तस्करों पर सख्ती से अंकुश लगाना।

डल्लेवाल का आमरण अनशन 38वें दिन भी जारी, डॉक्टर ने किसान नेता की सेहत को लेकर दिया बड़ा अपडेट

नरवाना/जींद ।आज 38वें दिन किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन खनौरी किसान मोर्चे पर जारी रहा। डॉक्टरों ने मेडिकल बुलेटिन जारी करते हुए कहा कि जगजीत सिंह डल्लेवाल के शरीर से मांस बिल्कुल खत्म हो गया है और सिर्फ हड्डियां बची हैं, वे शारीरिक तौर पर बहुत कमजोर हो चुके हैं। वहीं, किसान नेताओं ने कहा कि 4 जनवरी को देश के कोने-कोने से लाखों किसान खनौरी किसान मोर्चे पर जगजीत सिंह डल्लेवाल का संदेश सुनने के लिए पहुंचेंगे, उस महापंचायत की तैयारी के लिए अलग-अलग कमेटियां बना कर तैयारियां करी जा रही हैं। किसान नेताओं ने कहा कि आंदोलन के विषय में संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) एवं किसान मजदूर मोर्चा की ओर से सभी बयान बड़ी जिम्मेदारी के साथ संविधान के दायरे में रहकर एवम भाषा की मर्यादा के अनुसार दिए जा रहे हैं, सभी बयान जगजीत सिंह डल्लेवाल की भावना के अनुसार दिए जा रहे हैं। किसान नेताओं ने कहा कि जब किसी व्यक्ति को कहीं से भी न्याय नहीं मिलता तो वो न्याय की आखिरी उम्मीद सुप्रीम कोर्ट से ही करता है। उन्होंने कहा कि हम ने सुप्रीम कोर्ट से निवेदन किया है कि वे केंद्र सरकार को निर्देश जारी करें कि खेती के विषय पर बनी संसद की कमेटी की रिपोर्ट एवम सुप्रीम कोर्ट की कमेटी की अंतरिम रिपोर्ट को लागू किया जाए, जिनमें स्वामीनाथन गारंटी कानून बनाने की सिफारिश की गई है। आज कर्नाटक एवं तमिलनाडु से किसानों का बड़ा जत्था कुर्बुरु शांताकुमार एवं पीआर पांड्यन के नेतृत्व में खनौरी किसान मोर्चे पर पहुंचा।

किसानों ने किया केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत, कहा- सरकार कर रही किसानों की चिंता

भिवानी । केंद्र सरकार ने किसानों के हित में दो बड़े फैसले लेते हुए यूरिया के बाद डीएपी पर सब्सिडी बढ़ाए जाने के साथ ही फसल बीमा योजना को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। जिसके तहत वर्ष 2025-26 के लिए फसल बीमा योजना पर 69515.71 करोड़ रूपये का प्रबंध किया है। वहीं डीएपी पर 3850 रूपये प्रति टन एकमुश्त विशेष पैकेज की विस्तार योजना को लागू किया है। पुरानी व्यवस्था के तहत डीएपी पर सब्सिडी 31 दिसंबर को खत्म हो गई थी, जिसे फिर से सब्सिडम्बिढ़ाकर किसानों के लिए लागू किया है। केंद्र सरकार के इस योजना का भिवानी के किसानों ने स्वागत करते हुए इसे किसान हित में बड़ा फैसला बताया है।

भिवानी जिला के गांव रिवाड़ीखेड़ा के किसान विरेंद्र, अजीतपुरा के किसान हरकिशन व ढाणा लाडनपुर के किसान वजीर चौधरी ने बताया कि केंद्रीय मंत्रीमंडल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को फिर से पुर्नगठित करके उन्हे तोहफा दिया है। अब उन्हे फसल का खराबा होने की चिंता नहीं रही। इससे उनकी फसलों को जयादा सुरक्षा मिलेगी, वहीं नुकसान की चिंता भी खत्म होगी। उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर को डीएपी पर सब्सिडी खत्म हो गई थी।

अब नए वर्ष में सरकार ने डीएपी पर सब्सिडी बढ़ाई। इससे 1350 रूपये में उन्हे अब डीएपी का कट्टा मिल पाएगा तथा वे अच्छा उत्पादन कर पाएंगे। इसके लिए वे सरकार का धन्यवाद करते है। साथ ही किसानों ने यह मांग भी की कि खाद के प्रबंधन को ठीक किए जाने की आवश्यकता है, ताकि समय पर किसानों को बगैर लाईन में लगे खाद उपलब्ध हो सकें। गौरतलब है कि डीएपी प्रयोग होने में उपयोग किए जाने वाले फास्फोरिक एसिड व अमोनिया के मूल्य में 70 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई थी तथा डीएपी के महंगा होने का खतरा बढ़ गया था। अब यह सब्सिडी दिए जाने के बाद किसानों को राहत मिलेगी, क्योंकि भारत में डीएपी का 90 प्रतिशत आयात किया जाता है।

खुद को जेई बता किसान से ले रहा था रिश्वत, एसीबी ने दबोचा

सोनीपत । सोनीपत में हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो का भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। ब्यूरो की रोहतक टीम ने आज सोनीपत जिला के खरखौदा में रोशन लाल को 57000 रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता के अनुसार रोशन लाल उसे बिजली निगम का जेई बता कर 62000 रूपये की रिश्वत की मांग कर रहा था। इस मामले में आरोपी के खिलाफ रोहतक एंटी करप्शन ब्यूरो पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करते हुए उसकी गिरफ्तारी की गई है।

हरियाणा सरकार जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है और आम जनता से जुड़े रिश्वत के मामलों में हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो लगातार भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई कर रही है आज इसी कड़ी में रोशनलाल नाम के एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है जोकि खरखौदा में बिजली विभाग का जेई बनकर एक किसान से खेत में बिजली के पोल के नाम पर मुआवजा दिलाने के नाम रिश्वत की मांग कर रहा था और जैसे ही एसीबी को इसकी शिकायत मिली तो एसीबी के अधिकारियों ने रोशनलाल को धर दबोचने में सफलता हासिल की।

कैथल में सड़क निर्माण के उद्घाटन पर विवाद, कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने

कैथल ।शहर के सीवन कस्बे में एक सड़क निर्माण के उद्घाटन को लेकर कांग्रेस और भाजपा के पूर्व विधायक के बीच तनातनी हो गई।वीरवार को भाजपा के पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर ने कांग्रेस विधायक देवेंद्र हंस के गांव सीवन में पहुंचकर चीका पटियाला मैन रोड से सोसाइटी बैंक के आगे से सौथा रोड तक जाने वाली सड़क का रिबन काटकर उद्घाटन कर दिया। जिसपर कांग्रेस विधायक ने कड़ी आपत्ति जताई और इसे प्रोटोकॉल के खिलाफ बताया।हालांकि अधिकारियों की तरफ से कहा गया है कि यह आधिकारिक कार्यक्रम नहीं था।भाजपा के कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर ये उद्घाटन किया है।वहीं कांग्रेस विधायक देवेंद्र हंस ने कहा कि कुछ लोग जनता को गुमराह कर 10 रूपये का रिबन काटकर झूठी वावाही लूट रहे हैं।जबकि असल में सड़क निर्माण में उनका कोई योगदान नहीं है।उन्होंने कहा कि इस सड़क के मुद्दे को उन्होंने विधानसभा सत्र में बड़े जोर शोर से उठाया था।इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखा था।जिसके फल स्वरुप आज इसका निर्माण कार्य किया जा रहा है।

आगे भी इसी तरह के कार्य रिबन काटकर किए जाएंगे : पूर्व विधायक

वहीं भाजपा के पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर ने कहा कि इस सड़क निर्माण को लेकर लोगों की काफी लंबे समय से डिमांड थी।जिसका कल ग्रामीण व भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर उद्घाटन किया।उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस विधायक को उनके द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों से दिक्कत है, तो वह भी उनके साथ आकर खड़े हो सकते हैं।उनके द्वारा आगे भी इसी तरह के कार्य रिबन काटकर किए जाएंगे।

क्या है मामला?

बता दें कि ठेकेदार ने सीवन के चीका पटियाला मैन रोड से सोसाइटी बैंक के आगे से सौथा रोड तक जाने वाली सड़क का बुधवार को निर्माण कार्य शुरू किया था।जिसका निर्माण कार्य गुहला के पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर ने नारियल फोड़कर किया था।उन्होंने इस सड़क निर्माण को अपनी उपलब्धि बताया।जबकि कांग्रेस विधायक इसे उनके प्रयासों से बनी सड़क बता रहे हैं।वे इसे खुद की उपलब्धि मानते हुए उद्घाटन की तैयारी कर रहे थे।लेकिन इससे पहले भाजपा के पूर्व विधायक ने मौके पर पहुंचकर रिबन काटकर उद्घाटन कर दिया।

2025 में हुआ विपुल और कृष्णपाल का मिलन, कई राजनेताओं की उड़ेगी नींद

चंडीगढ़ । कहा जाता है कि राजनीति में कभी भी कोई किसी का स्थाई दोस्त या दुष्मन नहीं होता। हरियाणा की राजनीति में भी अब नए धुव्रीकरण बनने लगे हैं। हरियाणा की राजनीति में हुए इस चौकाने वाला यह नया राजनीतिक धुव्रीकरण कृष्ण की नगरी मथुरा से होते हुए हरियाणा के प्रवेश द्वार फरीदाबाद की राजनीति में देखने को मिला है। नववर्ष के आगमन पर चौकाने वाले यह समीकरण औद्योगिक नगरी फरीदाबाद में जब मिले हरियाणा की राजनीति के दो दिग्गज जिनके बारे में यह चर्चा है कि वह पिछले एक दशक से आपस में राजनीतिक सामांजस्य नहीं रख रहे थे। ऐसी भी चर्चा है कि राजनीति में टिकट की पर्तिस्पर्धा में एक-दूसरे पर हावी रहने के प्रयासों में इनकी राजनीतिक जंग किसी से छिपी हुई भी नहीं रही।

यह अब नए राजनीतिक गठजोड़ के बाद प्रमाणित होने की चर्चा है। राजनीति में हरियाणा के मंत्री विपुल गोयल की गिनती केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के करीबियों में होती है। यह किसी से छिपा नहीं है। 2024 के चुनाव में वह विधानसभा के लिए टिकट अपने दम पर लेकर आए, यह भी किसी से छिपा नहीं है। 2014 से 2019 तक मनोहर पार्ट-1 के शासनकाल में दमदार, प्रभावशाली व्यक्तित्व रखने वाले विपुल गोयल की टिकट यि 2019 में कटती है तो राजनीतिक चर्चाएं शुरू हो जाती है कि कृष्णपाल गुर्जर का हाथ है। कृष्णपाल गुर्जर भी हरियाणा की राजनीति के पुराने राजनीतिज्ञ है। हरियाणा के कई मुख्यमंत्रियों के राज में विपक्ष और सत्ता का स्वाद उन्होंने चखा है। अब केंद्र में मोदी सरकार में पार्ट 3 में लगातार केंद्र में मंत्री बन रहे है। विपुल गोयल युवा राजनीतिक योद्धा हैं।

वर्ष 2025 के आगाज पर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल की ओर से हवन का आयोजन किया गया। इस दौरान आम जनता के अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने भी शिरकत की। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा है कि फरीदाबाद को चमकाने के लिए सभी मंत्री और विधायक मिलकर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्य क्षेत्र ही उनका मंदिर है और मंदिर की सफाई और तमाम सुविधाओं का ध्यान रखना उनका कर्तव्य है। नए साल में एक अलग फरीदाबाद नजर आएगा और सभी मिलकर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करेंगे। इस दौरान पूर्व मंत्री और विधायक मूलचंद शर्मा समेत बीजेपी के कई नेता भी मौजूद रहे।

हरियाणा की फरीदाबाद की राजनीति में इस बार नायब सिंह सैनी सरकार पार्ट 2 में तीन मंत्री बनना विपुल गोयल, राजेश नागर, गौतम बनना कहीं ना कहीं राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार कृष्णपाल गुर्जर की राजनीति को चुनौती दे रहा था। अब 2025 में हुआ इनका मिलन भविष्य में

क्या रंग दिखाएगा यह कहना सहज नहं है मगर हवन पर वायरल हुई इनकी तस्वीर बहुत कुछ ब्यान कर रही है। इनका एक साथ इकट्ठा खड़ा होना कई राजनीतिक नेताओं की नींद उड़ा देगा। फिर चाहे वह सत्ता दल से हो या विपक्ष से हो।

गुरुग्रामवासी नगर चुनाव में खिलाएंगे कमल, भाजपा लहराएगी परचम-कमल यादव

फरीदाबाद की आवाज

गुरुग्राम। एक वर्ष के कार्यकाल में कमल यादव ने जिला अध्यक्ष के रूप में कई चुनौतियों पर विजय पाई और गुरुग्राम जिला की चारों विधानसभाओं में कमल खिलाया। कमल यादव ने संगठन को भी जिला में नई दिशा देने का काम किया। नव वर्ष 2025 में अब कमल यादव ने गुरुग्राम और मानेसर नगर निगम चुनाव में कमल खिलाने की पूरी तैयारी कर ली है। भाजपा के शीर्षणेतृत्व द्वारा गुरुग्राम जिला अध्यक्ष कमल यादव को 3 जनवरी 2024 को जिला की कमान सौंपी गई थी। जिला अध्यक्ष का दायित्व मिलने के साथ-साथ कमल यादव को लोकसभा और विधानसभा में कमल खिलाने की चुनौती भी साथ में मिली। ऐसे में शीर्ष नेतृत्व से मिली जिम्मेदारी को समझते हुए कमल यादव ने न केवल पार्टी को जिला में मजबूती दी और कार्यकर्ताओं में जीत का मंत्र फूंका। परिणाम स्वरूप लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह को गुरुग्राम जिला से बड़ी बढ़त मिली और जीत में तब्दील हुई। शालीन और सौम्य व्यवहार के धनी कमल यादव पार्टी के कार्यक्रमों और बैठकों में कार्यकर्ताओं को पूरा मान सम्मान और तव्वजो देते हैं। लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद ही प्रदेश में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा जिसमें कमल यादव ने इस परीक्षा को भी शत प्रतिशत अंकों से पास किया। गुरुग्राम जिला की बादशाहपुर,

सोहना, पटौदी और गुरुग्राम विधानसभाओं में कमल खिलाने में कमल यादव सफल रहे। संगठनात्मक कौशल के बल पर इस एक वर्ष में कमल यादव ने जिला में भाजपा के संगठन को शिखर पर पहुंचाने का काम किया है। सदस्यता अभियान में 4 लाख 50 हजार से अधिक लोगों को भाजपा से जोड़कर गुरुग्राम को प्रदेश में पहला स्थान दिलाया जिसकी तारीफ खुद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने की है। सक्रिय सदस्यता अभियान में भी गुरुग्राम पूरे प्रदेश में अव्वल है। साल के अंतिम रविवार को प्रधानमंत्री के लोकप्रिय कार्यक्रम ''मन की बात'' को सुनने में भी गुरुग्राम पूरे प्रदेश में अव्वल रहा। जिला अध्यक्ष कमल यादव का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी सिद्धांतों और आदर्शों पर आधारित राजनीतिक दल है। यह किसी परिवार, जाति या वर्ग विशेष की पार्टी नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं की पार्टी है। देव तुल्य कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है जो भाजपा की विजय गाथा लिखते हैं। उन्होंने कहा कि एक चुनाव संपन्न होने के बाद दूसरे चुनाव की तैयारियों में जुट जाना ही भाजपा की प्रक्रिया है। कमल यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव, विधानसभा चुनाव, संगठन पर्व के बाद अब हम सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर नगर निगम चुनाव को फतह करने की तैयारियों में जुट गए हैं। 2025 के नगर निकाय चुनाव में भी कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के आशीर्वाद से हम जिला की दोनों नगर निगमों में कमल खिलाकर भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएंगे। भाजपा जिला गुरुग्राम टीम के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव को स़फलतापूर्वक एक वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी और आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दी।

माता जीजाबाई सम्मान समारोह खेल क्षेत्र है माताओं की भूमिका का उत्सव-मुख्यमंत्री

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज गुरुग्राम में क्रीड़ा भारती की हरियाणा प्रांतीय ईकाई की ओर से पैरालंपिक व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता तथा प्रतिभागी खिलाड़ियों की माताओं के सम्मान में आयोजित वीर माता जीजा बाई प्रांत स्तरीय सम्मान समारोह में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वर्ष 2024 में पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की माताओं को सम्मानित किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु द्रोण की नगरी गुरुग्राम में आयोजित माता जीजा बाई सम्मान समारोह खेल के क्षेत्र में माताओं की भूमिका का उत्सव है। देश-दुनिया में परचम लहराने वाले खिलाड़ियों की माताओं का सम्मान गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि यह समारोह न केवल हमारे खिलाड़ियों के प्रति बल्कि उनकी माताओं के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करने का एक अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हर बड़ी सफलता के पीछे माँ का हाथ होता है। ऐसी माताओं का सम्मान करना समाज की जिम्मेदारी है। इससे नई पीढ़ी को प्रेरित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने क्रीड़ा भारती की हरियाणा प्रदेश की इकाई को भी इस अनूठी पहल के लिए बधाई दी। साथ ही संस्था को 21 लाख रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा की। सीएम सैनी ने माताओं के ऐतिहासिक योगदान को याद दिलाते हुए कहा कि माता जीजा बाई, जिनके नाम से समारोह का आयोजन किया गया है, उन्होंने अपने बेटे छत्रपति शिवाजी महाराज को एक सच्चे योद्धा और नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार किया था। उनकी दूरदृष्टि और परिश्रम से देश को शिवाजी महाराज के रूप में ऐसा महान योद्धा मिला, जिसने उस समय स्वराज की नींव रखी। उन्होंने कहा कि राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले पदक जीतने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। वर्ष 2014 से अब तक 29 हजार से अधिक छात्रों को 53 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। सरकार ने खिलाड़ियों को बचपन से ही तराशने के लिए खेल नर्सरियां खोली हैं। इस समय प्रदेश में 1,489 खेल नर्सरियां हैं। इनमें 37,225 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन नर्सरियों में 8 से 14 वर्ष की आयु के खिलाड़ियों और 15 से 19 वर्ष की आयु के खिलाड़ियों को प्रतिमाह प्रोत्साहन राशि दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेरिस ओलंपिक 2024 में 6 में से 5 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं। पैरालम्पिक में भी देश को मिले 29 पदकों में से 8 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने हासिल किए। इससे पहले टोक्यो ओलंपिक 2020 में हमारे प्रदेश के 30 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें भारत ने 7 पदक जीते थे, जिसमें से 4 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने हासिल किए थे। इसी तरह राष्ट्रमंडल खेलों में भी हरियाणा के खिलाड़ियों ने परचम लहराया। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 के दौरान हरियाणा के 43 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें हरियाणा के खिलाड़ियों ने 20 पदक जीते। यह उपलब्धियां हरियाणा की दूरदर्शी खेल नीतियों का ही परिणाम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खिलाड़ी को फिजिकल फिटनेस और खेल कौशल के साथ मानसिक संतुलन, अनुशासन और साहस की भी आवश्यकता होती है।

श्री श्याम जागरण में झूमे श्रद्धालु, समाज उत्थान कार्य के साथ करें नव वर्ष की शुरुआत-मुकेश शर्मा

फरीदाबाद की आवाज

गुरुग्राम। नव वर्ष 2025 की पूर्व संध्या पर गुरुग्राम में आध्यात्मिक उल्लास का माहौल देखने को मिला। शिवाजी नगर और सिद्धेश्वर मंदिर में आयोजित श्री बाबा श्याम संकीर्तनों में गुरुग्राम के विधायक और श्री श्याम परिवार महासंघ के अध्यक्ष, मुकेश शर्मा श्रद्धापूर्वक सम्मिलित हुए। इस मौके पर उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ मिलकर मधुर श्याम भजनों का आनंद लिया और झूमते-गाते हुए बाबा श्याम की आराधना की। विधायक मुकेश शर्मा ने बाबा श्याम के श्रीचरणों में प्रार्थना करते हुए कहा कि यह नव वर्ष गुरुग्रामवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और अपार खुशियां लेकर आए।

उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा, ÷मैं आप सभी को नव वर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। बाबा श्याम की कृपा से यह वर्ष आपके जीवन में नई ऊंचाइयों, खुशियों और सफलताओं का सृजन करें। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में भक्तजनों ने भाग लिया और श्याम भजनों की धुन पर आनंदित होते हुए श्री श्याम बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर भक्ति और उत्साह से सराबोर था। विधायक मुकेश शर्मा ने यह भी कहा कि वे गुरुग्रामवासियों की सेवा और कल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी आयोजकों और स्थानीय श्रद्धालुओं का धन्यवाद किया। गुरुग्रामवासियों ने इस मौके पर विधायक मुकेश शर्मा के नेतृत्व और उनके प्रेरणादायक विचारों की सराहना की और बाबा श्याम जी से प्रार्थना की कि नया साल उनके और पूरे शहर के लिए मंगलमय हो।

क्षमता निर्माण के 11वें दिन विद्यार्थियों ने किया पालड़ी पनिहारा गांव का दौरा

फरीदाबाद की आवाज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर दो-सप्ताहीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के ग्यारहवें दिन प्रतिभागियों ने महेंद्रगढ़ जिले के पालड़ी-पनिहारा गांव का भ्रमण किया। इस दौरे का उद्देश्य समुदाय के साथ सक्रिय संवाद के माध्यम से संभावित शोध समस्याओं की पहचान करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की सामुदायिक भागीदारी के महत्त्व पर जोर देते हुए कहा कि यह प्रक्रिया प्रासंगिक शोध समस्याओं की पहचान करने और ऐसे समाधान विकसित करने में सहायक है, जो प्रगतिशील भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। इस दौरे के दौरान ग्राम सरपंच श्रीमती माया देवी और निवासी श्री विजय पाल यादव ने गांव की सीवरेज प्रणाली, कचरा निपटान, स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के

सहकोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने जीवन की पृष्ठभूमि में शोध क्षेत्रों की पहचान करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। इसी क्रम में प्रतिभागियों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। आयोजन में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. राजबीर सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. राजबीर सिंह ने सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक शोध विधियों के अनुप्रयोग पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने विशेषज्ञ, ग्राम सरपंच को उनके सहयोग लिए आभार व्यक्त किया।

सफदरजंग अस्पताल के नर्सिंग अटेंडेंट से ठगे 6.54 लाख रुपये

रेवाड़ी । सफदरजंग अस्पताल के नर्सिंग अटेंडेंट का झांसे में लेकर शातिर बदमाशों ने उससे 6.54 लाख रुपये ठग लिये।

साइबर थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव बटोड़ी के उमेश सिंह ने कहा कि वह दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में नर्सिंग अटेंडेंट के पद पर कार्यरत है। कुछ माह पूर्व उसके टैलीग्राम पर एक मैसेज आया था, जिस पर पार्ट टाइम काम कर मोटा मुनाफा दिलाने की बात कही गई थी। वह उनके झांसे में आ गया और प्राप्त लिंक को खोलकर अपना खाता खोल लिया। खाता खोलने के बाद उसे बताया कि उनकी कंपनी सोना, चांदी का व्यापार करती है। सोने-चांदी को प्रमोट करने पर उन्हें कमीशन दिया जाएगा। सर्वप्रथम 7 हजार के बदले उसे 14050 रुपये का मुनाफा दिखाया गया। फिर 10 हजार रुपये ट्रांसफर करने पर उसे 19135 रुपये लाभ के रूप में दर्शाए गए। वह उनके चंगुल में फंस गया और धीरे-धीरे कर आरोपियों ने उससे 654772 रुपये ट्रांसफर करवा लिये।

क्राइम डायरी

देसी कट्टा व 7 जिंदा कारतूस सहित आरोपी को अपराध शाखा-30 की टीम ने किया गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद- फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार अपराधियों पर कार्रवाई की जा रही है इसी क्रम में कार्रवाई करते हुए 01 जनवरी को अपराध शाखा सेक्टर 30 की टीम ने आरोपी जसबीर वासी डबूआ कॉलोनी फरीदाबाद को पूराने तालाब के पास से काबू किया है। आरोपी से एक देसी कट्टा व 7 जिंदा कारतूस बरामद किये गये है। जिसके खिलाफ थाना ओल्ड फरीदाबाद में अवैध हथियार रखने की धारा में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि देसी कट्टा व कारतूस को पलवल से ?25000 में खरीद कर लाया था। अपराधिक रिकॉर्ड अनुसार आरोपी पर पूर्व में भी लडाई झगडे का मामला ओल्ड फरीदाबाद में दर्ज हैं। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

थाना मुजेसर और प्रभारी चौकी संजय कॉलोनी ने संजय कॉलोनी में पुलिस-पब्लिक कोआर्डिनेशन गोष्ठी का किया आयोजन

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद- फरीदाबाद पुलिस के द्वारा लगातार जागरुकता प्रोग्राम किया जा रहे हैं इसी क्रम में आज सामुदायिक पुलिसिंग टीम ने प्रबंधक थाना मुजेसर और प्रभारी चौकी संजय कॉलोनी के सहयोग से संजय कॉलोनी चौकी परिसर में पुलिस-पब्लिक कोआर्डिनेशन गोष्ठी का आयोजन किया।

कार्यक्रम का आरंभ-

गोष्ठी का शुभारंभ प्रबंधक थाना मुजेसर द्वारा स्थानीय नागरिकों का स्वागत और अभिनंदन करते हुए किया गया। इसके पश्चात सामुदायिक पुलिसिंग टीम ने उपस्थित नागरिकों को विभिन्न सामाजिक एवं सुरक्षा मुद्दों पर जागरूक किया।

चर्चा के मुख्य विषय

1. नशा मुक्ति अभियान- अवैध नशे के व्यापार को रोकने और नशा मुक्त समाज बनाने की अपील।
2. साइबर अपराध- इससे बचने के उपाय और पुलिस द्वारा उपलब्ध साइबर सुरक्षा सेवाएं।
3. सड़क सुरक्षा- सड़क दुर्घटनाओं से बचने के उपाय और घायल व्यक्तियों की मदद करने की जानकारी।
4. महिला सुरक्षा- महिलाओं की सुरक्षा और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूकता।

साथ ही, अवैध गतिविधियों और अपराधों की सूचना पुलिस को देने हेतु नागरिकों को प्रेरित किया गया।

समस्याओं और सुझावों पर चर्चा-

गोष्ठी के दौरान, प्रबंधक थाना मुजेसर ने स्थानीय नागरिकों, आरडब्ल्यूए प्रधानों, और मार्केट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से उनकी समस्याएं और सुझाव पूछे।

प्राप्त सुझावों और समस्याओं पर तुरंत कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया।

संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि एक सप्ताह के भीतर इन समस्याओं और सुझावों पर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

भविष्य में इन मुद्दों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश भी दिया गया।

सामाजिक जिम्मेदारी का आह्वान-

प्रबंधक थाना ने सभी को अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने और पुलिस के साथ सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने नागरिकों को प्रेरित किया कि वे अपने क्षेत्र को अपराध मुक्त, नशा मुक्त, और सड़क दुर्घटना मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम का समापन-

गोष्ठी का समापन सभी नागरिकों का धन्यवाद करते हुए किया गया।

फरीदाबाद पुलिस का संदेश

÷आपकी सुरक्षा, हमारी प्राथमिकता। आइए, मिलकर एक सुरक्षित और बेहतर समाज का निर्माण करें।÷

340 ग्राम गांजा सहित आरोपी को अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने किया गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। 01 जनवरी को अपराध शाखा की टीम को गस्त के दौरान अपने गुप्त सूत्रों से रुण उर्फ़ मन्नू वासी मकान नंबर DC 976 वार्ड नंबर 8 डबूआ कॉलोनी फरीदाबाद के पास अवैध नशा होने की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर कार्रवाई करते हुए आरोपी रुण को सब्जी/भूसा मंडी एरिया से गांजा बेचते हुए काबू करके 340 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। जिस पर आरोपी के विरुद्ध थाना डबुआ में नशा तस्करी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया । आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि वह एक किलोग्राम गांजा रु. 9000 में दिल्ली से किसी अंजान व्यक्ति से खरीद कर लाया था। जो कुछ गांजा उसने बेच दिया, आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

वाहन चोरी करने वाले आरोपी को अपराध शाखा, सेक्टर 56 की टीम ने किया गिरफ्तार, मोटरसाइकिल बरामद

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। 29 नवंबर को थाना मुजेसर में विकास कुमार वासी पर्वतीय कालोनी फरीदाबाद ने अपनी शिकायत में बताया कि 25 नवंबर को अपनी बाईक लेकर गुर्जर चौक पर गया था, उसने अपनी मोटरसाइकिल को साइड मे खडा कर दिया। जब वापस आया तो मोटरसाइकिल नहीं मिली जिस शिकायत पर थाना मुजेसर में मुकदमा दर्ज किया गया। मामले में आगे कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा सेक्टर 56 की टीम ने गस्त के दौरान अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना पर आरोपी सोनू को सेक्टर-56 फरीदाबाद से चोरी की मोटरसाइकिल सहित काबू किया। आरोपी सोनू गाँव-नीम, थाना -गोवर्धन, जिला-मथुरा, उत्तरप्रदेश हाल किरायेदार हरीश जैलदार की कबाड़े की झुग्गी गली न. 3 गाँव-मुझेडी ,बल्लभगढ़ फरीदाबाद का रहने वाला है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि उसने मोटरसाइकिल को गुर्जर चौक से चोरी किया था।

वाहन चोरी करने वाले आरोपी को AVTS फरिदाबाद की टीम ने किया गिरफ्तार, मोटरसाइकिल बरामद

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। बता दें कि थाना आदर्श नगर, फरीदाबाद में अजय वासी नंगला एनकेलेव, फरीदाबाद ने अपनी दी गई शिकायत में बताया कि उसने अपनी मोटरसाइकिल 10 अक्तुबर 2024 को सरकारी अस्पताल, बल्लबगढ़ के गेट के पास वाली पार्किग में खडी की थी। जब वापिस आकर देखा तो मोटरसाइकिल वहां पर नहीं मिली जिसके संबंध में थाना आदर्श नगर में मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए AVTS फरिदाबाद की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से आरोपी प्रीतम वासी सिकरोना फरीदाबाद को चोरी की मोटरसाइकिल सहित भनकपूर चौक, फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि नशा करने का आदी है, उसने मोटरसाइकिल को बेचने के लिए चोरी किया था। आरोपी पूर्व में भी चोरी और अवैध हथियार रखने के मामले में जेल जा चुका है। पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर आरोपी को जेल भेजा गया।

490 ग्राम गांजा सहित आरोपी को अपराध शाखा बार्डर की टीम ने किया गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। बता दें कि फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार अपराधियों पर कार्रवाई की जा रही है, 01 जनवरी को अपराध शाखा की टीम नजदीक सुरजकुण्ड गोल चक्कर फरीदाबाद क्षेत्र में गस्त पर थी, गस्त के दौरान टीम को अपने गुप्त सूत्रों से सहदेव वासी कोसी कला, .क्कद्वारा गांजा बेचने की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर कार्रवाई करते हुए आरोपी सहदेव को सुरजकुण्ड गोल चक्कर एरिया से काबू करके 490 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। जिस पर आरोपी के विरुद्ध थाना सुरजकुण्ड में नशा तस्करी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि उसने 490 ग्राम गांजा को अनाज मंडी के पास से एक व्यक्ति से 3000 रुपए में खरीदा था। जिसे वह मुनाफा कमाने के लिए बेचने को लाया था। आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गई है

सर्दियों में ठंडे पानी से नहाते समय बरतें सावधानी, सिर पर पानी डालना हो सकता है खतरनाक!

सर्दियों में ठंड के बढ़ते असर के साथ कई शारीरिक समस्याएं भी सामने आ सकती हैं। खासकर दिल से जुड़ी समस्याओं में वृद्धि हो जाती है, और एक अध्ययन के अनुसार सर्दियों में हार्ट अटैक का खतरा 53ब तक बढ़ सकता है। ऐसे में हमें अपने दिल का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। जानिए सर्दियों में अपनाने वाली 5 अहम सावधानियां, जो आपको दिल से जुड़ी समस्याओं से बचा सकती हैं।

नहाते समय सिर पर ठंडा पानी न डालें, पहले पैरों पर डालें

सर्दियों में ठंडे पानी से नहाना खतरनाक हो सकता है, खासकर अगर आप इसे सीधे सिर से शुरू करते हैं। ऐसा करने से मस्तिष्क की महीन नलिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह प्रभावित होता है। इस स्थिति में ब्रेन स्ट्रोक या हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। त्वचा रोग विशेषज्ञों के अनुसार सर्दियों में नहाने का समय भी कम रखना चाहिए, अधिकतम 5 से 10 मिनट। नहाने के लिए गुनगुना पानी इस्तेमाल करें और पानी डालने की शुरुआत पैरों, पीठ या हाथों से करें। पानी बहुत ज्यादा गर्म भी न हो।

सर्दियों में अचानक न उठें, शरीर को आराम से उठने दें

सर्दी में सोते समय शरीर की धमनियां संकुचित हो जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह धीमा हो जाता है। ऐसे में अगर आप अचानक उठते हैं तो आपका रक्तचाप बढ़ सकता है, जिससे चक्कर, बेहोशी या दिल का दौरा पड़ने का खतरा हो सकता है। स्ट्रेस हार्मोन के स्तर में वृद्धि भी दिल पर दबाव डाल सकती है। सुबह उठते ही कुछ समय बिस्तर पर आराम से बिताएं। हाथों और पैरों को स्ट्रेच करें, फिर धीरे-धीरे बिस्तर से उठें।

हीटर को लगातार न चलाएं, कमरे में नमी बनाए रखें

हीटर के लगातार चलने से हवा की नमी कम हो जाती है और शरीर में डिहाइड्रेशन हो सकता है। डिहाइड्रेशन के कारण खून गाढ़ा हो जाता है, जिससे दिल को रक्त पंप करने में कठिनाई होती है। हीटर को जरूरत के अनुसार ही चलाएं और कमरे में नमी बनाए रखने के लिए बाल्टी में पानी भरकर रखें।

ऊनी कपड़े पहनकर न सोएं, पहले सूती कपड़े पहनें

ऊन के कपड़े शरीर की गर्मी को अंदर फंसा लेते हैं, जिससे शरीर का तापमान सही तरीके से नियंत्रित नहीं हो पाता। इसका असर दिल पर पड़ सकता है और लो बीपी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऊनी कपड़ों के नीचे सूती या रेशमी कपड़े पहनें, ताकि शरीर का तापमान संतुलित रहे।

ज्यादा दबाव वाली एक्सरसाइज से बचें, 15 मिनट में ब्रेक लें

सर्दियों में अत्यधिक मेहनत वाली एक्सरसाइज से दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। लगातार एक्सरसाइज करने से शरीर का तापमान अचानक बदल सकता है, जो दिल के लिए हानिकारक हो सकता है। एक्सरसाइज करते समय हाइड्रेट रहें और किसी भी तरह की भारी एक्सरसाइज को 15 मिनट से ज्यादा न करें। कपड़े हटाने से पहले शरीर को गर्म रखें और बीच-बीच में ब्रेक लें।

सर्दियों में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी है, खासकर दिल और रक्तचाप से जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए इन सावधानियों का पालन करें। इन छोटी-छोटी आदतों से आप खुद को सुरक्षित रख सकते हैं और सर्दियों के मौसम में स्वस्थ रह सकते हैं।

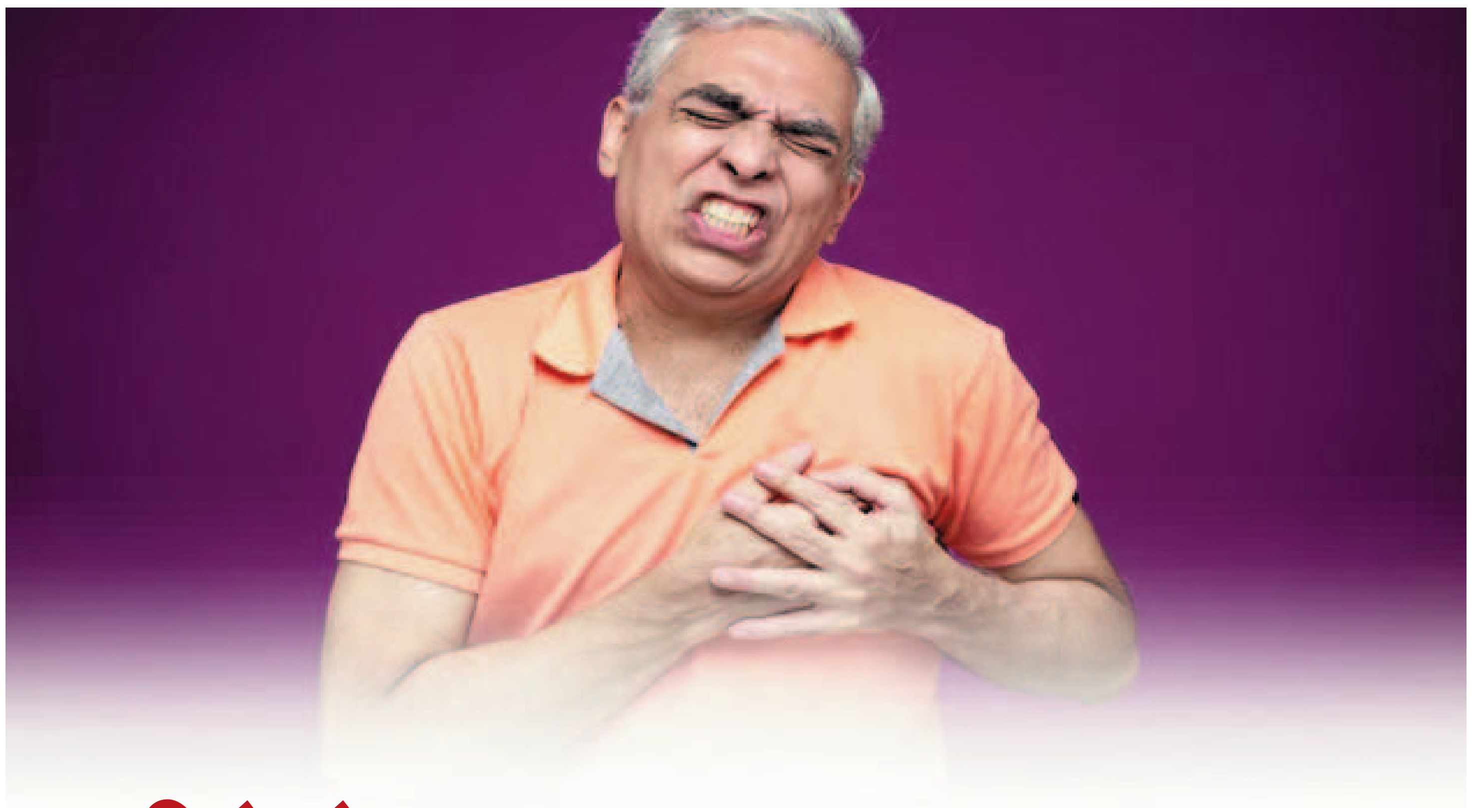

सीने में जलन

एसिडिटी को न करें नजरअंदाज, बढ़ सकता है पेट का कैंसर!

अगर पेट में किसी भी तरह की समस्या हो, तो उसे हल्के में न लें, क्योंकि अनदेखा करने से यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। कभी-कभी यह स्थिति पेट के कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी का रूप ले सकती है। एसिडिटी, खट्टी डकारें, मोटापा और सीने में जलन जैसी समस्याएं पेट में कैंसर के संकेत हो सकती हैं।

एसिडिटी और इसके खतरनाक असर

एसिडिटी की समस्या अक्सर ऑयली और मसालेदार भोजन खाने या लंबे समय तक पेट खाली रहने के कारण होती है। हम इसे अक्सर हल्का समझते हैं, लेकिन यह कभी-कभी बहुत खतरनाक साबित हो सकती है। लगातार एसिडिटी की समस्या, खट्टी डकारें, मोटापा और सीने में जलन से पेट में कैंसर की कोशिकाएं विकसित हो सकती हैं। पेट में कैंसर ऊपरी हिस्से या निचले हिस्से में हो सकता है, और यह एक जानलेवा बीमारी बन सकती है। अगर समय रहते इसके लक्षणों का इलाज न किया जाए, तो यह जानलेवा भी हो सकता है।

पेट में कैंसर के लक्षण

हार्टबर्न (सीने में जलन) एक आम समस्या हो सकती है, लेकिन यह पेट के अल्सर या बैक्टीरियल इंफेक्शन का भी संकेत हो सकता है। कुछ कैंसर के रोगियों में भी सीने में जलन और एसिड रिफ्लक्स (खट्टी डकारें) जैसी समस्याएं होती हैं। अगर गैस्ट्रिक कैंसर का समय रहते इलाज न किया जाए, तो यह धीरे-धीरे पूरे शरीर में फैलकर जानलेवा हो सकता है।

पेट में कैंसर के कारण

अगर आप बार-बार एसिडिटी की समस्या से जूझ रहे हैं, तो यह पेट में पाइलोरी संक्रमण का कारण बन सकता है। यह संक्रमण पेट के डीएनए को नुकसान पहुंचाता है, जिससे पेट में कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

बचाव के तरीके

1. पेट के कैंसर से बचने के लिए कुछ खास उपाय किए जा सकते हैं:-
2. ऑयली और मसालेदार भोजन से दूर रहें।
3. वजन को नियंत्रित रखने के लिए नियमित व्यायाम और बैलेंस डाइट अपनाएं।
4. रात में सोने से दो-तीन घंटे पहले खाना खाएं।
5. खाने के बाद तुरंत न लेटें, बल्कि थोड़ी देर टहले।
6. योग और एक्सरसाइज को अपने दैनिक रूटीन में शामिल करें।
7. नशे से बचें, क्योंकि यह सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

पेट के कैंसर का उपचार

अगर पेट के कैंसर का सही समय पर पता चल जाए, तो इसका इलाज संभव है। इसमें सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी जैसे उपचार शामिल हो सकते हैं।

कब डॉक्टर से संपर्क करें?

अगर किसी व्यक्ति को सीने में जलन की समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, या सांस लेने में कठिनाई, काले और चिपचिपे मल, पीलिया, निगलने में दिक्कत या लगातार उल्टियां हो रही हैं, तो यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

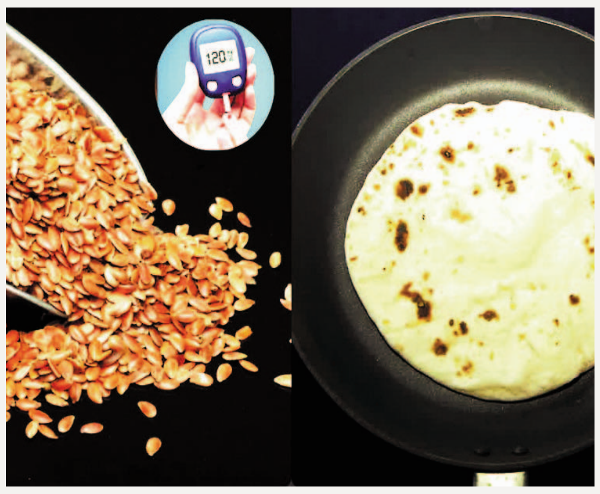

डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए, रोटी बनाते समय मिला लें ये पाउडर, कुछ ही दिनों में दिखने लगेगा फर्क!

डायबिटीज के मरीजों की संख्या नियमित रूप बढ़ती जा रही है. इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन आप अपने आहार में बदलाव और जीवनशैली में सुधार करके मधुमेह को नियंत्रित कर सकते हैं. एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में कहा गया है कि रोटी बनाने के लिए गेहूं का आटा गूंधते समय उसमें थोड़ा अलसी पाउडर मिलाने से ब्लड शुगर कंट्रोल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है. शुगर को नियंत्रित करने के लिए गेहूं के आटे में अलसी के बीज का पाउडर मिलाकर रोटी बनाएं. अलसी के बीज का पाउडर फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है. इसे आटे में मिलाकर रोटी बनाकर खाने से पोषण को बढ़ावा मिलता है.

अलसी को कई चीजों में मिलाया जा सकता है

अलसी का उपयोग सदियों से इसके पोषण संबंधी लाभों के लिए किया जाता रहा है. फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, अलसी के बीज अक्सर साबुत गेहूं के आटे, दूध, स्मूदी और डेसर्ट में मिलाए जाते हैं.

अलसी को रोटी में मिलाकर खाने के फायदे

पाचन में सुधार

गेहूं के आटे में अलसी के बीज मिलाने से पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है. अलसी में मौजूद फाइबर, विशेष रूप से घुलनशील फाइबर, पाचन में सहायता करता है और रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है. अलसी में ओमेगा-3 फैटी एसिड भी होता है जो हृदय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है. इस प्रकार, जब आप गेहूं के आटे में अलसी का पाउडर मिलाते हैं, तो आपको कई लाभ मिल सकते हैं और शरीर में पोषण बढ़ सकता है.

रोटी को मुलायम बनाता है

अलसी के पाउडर में नमी सोखने की प्राकृतिक क्षमता होती है. जब अलसी को गेहूं के आटे में मिलाया जाता है, तो यह आटे को नरम कर देता है और नमी बरकरार रखता है. यह पके हुए खाद्य पदार्थों को जल्दी सूखने से बचाता है और उन्हें लंबे समय तक फूला हुआ रखता है. ऐसे में केक, परांठे और रोटी बनाते समय थोड़ा अलसी पाउडर मिलाने की सलाह दी जाती है.

मधुमेह को नियंत्रित करता है

अलसी के बीज रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं. इसमें मौजूद फाइबर की मात्रा ब्लड शुगर लेवल को बढ़ने से रोकती है. मधुमेह रोगियों के लिए रोटी बनाते समय इस पाउडर को जोड़ने से उनके समग्र ग्लाइसेमिक नियंत्रण में सुधार करने में मदद मिल सकती है. एनसीबीआई द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि अलसी के बीज मधुमेह को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

अन्य फायदे

इसके अलावा अलसी पीरियड्स, कब्ज और मानसिक थकान से जुड़े लक्षणों की गंभीरता को काफी कम करने में मदद करती है और त्वचा की देखभाल में भी मदद करती है.

क्या आप भी पूरी रात सिंक में गंदे बर्तन छोड़ देते हैं?

इससे हो सकती हैं ये खतरनाक बीमारियां

क्या आप भी अक्सर अपने किचन में गंदे बर्तन छोड़कर सो जाते हैं? अगर हां, तो यह आपकी सेहत के लिए खतरा बन सकता है। गंदे बर्तनों को लंबे समय तक बिना धोए रखने से इनमें बैक्टीरिया और कीटाणु पनपने लगते हैं, जो सिर्फ बर्तनों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि यह बैक्टीरिया आपके भोजन में भी घुस सकते हैं और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं।

गंदे बर्तनों में बढ़ते बैक्टीरिया और उनके खतरनाक प्रभाव

गंदे बर्तन रातभर सिंक में पड़े रहते हैं तो उनमें साल्मोनेला, लिस्टेरिया, और ई-कोली जैसे बैक्टीरिया पनप सकते हैं। ये बैक्टीरिया न केवल बर्तन धोने के बाद भी रह जाते हैं, बल्कि खाने के साथ शरीर में प्रवेश करके गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। जब इन बैक्टीरिया से संक्रमित बर्तनों में खाना परोसा जाता है, तो वे पेट में जाकर पेट दर्द, उल्टी, डायरिया, अपच जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

किसे हो सकता है खतरा?

इन बैक्टीरिया का सबसे ज्यादा खतरा उन लोगों को होता है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। जैसे छोटे बच्चे, बुजुर्ग, और गर्भवती महिलाएं, जो इन बैक्टीरिया के प्रभाव से जल्दी बीमार पड़ सकते हैं। इतना ही नहीं, इन बैक्टीरिया से जुड़ी गंभीर समस्याओं में किडनी फेलियर, गर्भपात और किडनी के बारीक फिल्टर का खराब होना भी शामिल है। अगर इन बैक्टीरिया के कारण किसी की हालत गंभीर हो जाए, तो वह अस्पताल में भर्ती हो सकता है और इलाज में कई महीनों का समय भी लग सकता है।

किचन की सफाई और आलस्य से बचना है जरूरी

किचन और बर्तनों की सफाई में आलस्य न करें। बर्तनों और सिंक को समय पर धोना बहुत जरूरी है, क्योंकि देर से धोने से बैक्टीरिया पनपते हैं और वह आपके स्वास्थ्य के लिए खतरे का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा, ध्यान रखें कि फ्रिज में रखे खाद्य पदार्थ भी समय पर सही तरीके से स्टोर और उपयोग नहीं किए जाएं, तो वे भी बीमारी का कारण बन सकते हैं।

सर्दियों में खानपान और किडनी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें

सर्दियों में खासतौर पर अधिक नमक और चीनी का सेवन किडनी के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अगर कोई व्यक्ति ज्यादा नमक और चीनी खाता है, तो उसकी किडनी पर दबाव बढ़ता है, जिससे उसे हाई ब्लड प्रेशर (ब्क्क) और शुगर की समस्या हो सकती है। इसके कारण किडनी के बारीक फिल्टर खराब होने लगते हैं और किडनी फेल हो सकती है। इस स्थिति से बचने के लिए सर्दियों में सही खानपान और किडनी का ध्यान रखना बेहद महत्वपूर्ण है।

किडनी से जुड़ी अन्य समस्याएं

किडनी स्टोन – किडनी में पथरी बनने का खतरा बढ़ता है, जिससे अत्यधिक दर्द और गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

यूटीआई – गंदे बर्तनों के संपर्क में आने से यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन हो सकता है, जो किडनी के संक्रमण का कारण बन सकता है।

पॉलीसिस्टिक किडनी – किडनी में छोटे-छोटे ಽ4ह्यह्लह्य बनना, जिससे किडनी का कामकाज प्रभावित होता है।

प्रोटीन लीकेज – किडनी से प्रोटीन का लीक होना, जो रक्तप्रवाह में जाने लगता है।

क्रिएटिनिन का उच्च स्तर – किडनी की कार्यक्षमता घटने से क्रिएटिनिन की मात्रा रक्त में बढ़ जाती है, जो किडनी फेलियर का संकेत हो सकता है।

सावधान रहें, ताकि स्वास्थ्य पर असर न हो

गंदे बर्तनों को लंबे समय तक छोड़ने से न केवल बैक्टीरिया का खतरा बढ़ता है, बल्कि यह आपके किडनी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का कारण भी बन सकता है। ऐसे में, किचन और बर्तनों की सफाई को प्राथमिकता दें और यह सुनिश्चित करें कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूरी तरह से जागरूक रहें।

सर्दियों में सही खानपान के साथ-साथ नियमित व्यायाम और पर्याप्त पानी पीने से आपकी किडनी स्वस्थ रहती है और आप इन समस्याओं से बच सकते हैं।

किचन में गंदे बर्तनों को रातभर छोड़ने से बचें और समय पर धोने की आदत डालें। इसके अलावा, खानपान में सावधानी बरतें और ज्यादा नमक और चीनी से बचें। किडनी और पेट के स्वास्थ्य का ध्यान रखें और किसी भी स्वास्थ्य समस्या के लिए विशेषज्ञ से सलाह लें।

'धूम' फिल्म के अली से कनेक्ट करती हैं अनन्या पांडे, प्यार को लेकर कही मन की बात

अनन्या पांडे का नाम इन दिनों मॉडल वॉकर ब्लैंको से जोड़ा जा रहा है। दोनों को अनंत अंबानी की शादी में साथ देखा गया था। अनन्या ने अपने इस नए रिश्ते को खुलकर स्वीकार तो नहीं किया है लेकिन हाल ही में अभिनेत्री ने प्यार को लेकर अपना नजरिया बताया।

प्यार में 'धूम' के अली जैसा करती हैं महसूस

हाल ही में एक इंटरव्यू में अनन्या पांडे ने अपनी लव लाइफ पर बात की। एक्ट्रेस का कहना है कि जब वह प्यार में होती है तो सामने वाले से पूरी तरह से कनेक्ट हो जाती हैं। वह बिल्कुल 'धूम' फिल्म के अली जैसा बिहेव करती हैं।

परिवार-शादी के बारे में सोचती हैं

फिल्म 'धूम' में जब अली यानी उदय चोपड़ा के किरदार को प्यार होता है, तो चंद पलों में ही वह शादी और परिवार बनाने के बारे में सोचने लगता है। अनन्या भी ऐसा ही सोचती है, जब वह प्यार में होती हैं। यही कारण है कि वह फिल्म 'धूम' के किरदार अली से कनेक्ट कर पाती हैं।

आदित्य राय कपूर से भी रहा अफेयर

इन दिनों अनन्या पांडे का नाम जरूर मॉडल वॉकर ब्लैंको से जोड़ा जा रहा हो। लेकिन इस रिश्ते से पहले वह एक्टर आदित्य राय कपूर के साथ भी रिलेशनशिप में रह चुकी हैं। कुछ समय पहले ही दोनों की राहें जुदा हुई हैं।

अनन्या की अपकमिंग फिल्म

करियर फ्रंट की बात की जाए तो अनन्या पांडे अगले साल यानी 2025 में फिल्म 'शंकरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार और आर. माधवन जैसे उम्दा कलाकारों के साथ वह अभिनय करती हुई दिखेंगी। इस साल भी अनन्या पांडे ने काफी हटकर फिल्में की हैं, जिसमें 'कंट्रोल' नाम की फिल्म काफी चर्चा में रही। यह फिल्म सोशल मीडिया, एआई के नकारात्मक पक्ष को दिखाती है। इसके अलावा एक सीरीज 'कॉल मी बे' भी अनन्या ने की, जिसे यंग ऑडियंस ने काफी पसंद किया।

वेत्रिमारन की फिल्म वादिवासल की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार सूर्या

सूर्या और निर्देशक वेत्रिमारन की बहुप्रतीक्षित परियोजना वादिवासल का इंतजार प्रशंसक कई वर्षों से कर रहे हैं। वहीं, अब निर्माता ने हाल ही में दिए साक्षात्कार में इस फिल्म से जुड़ी दिलचस्प जानकारियां साझा कीं। फिल्म के निर्माता ने वादिवासल पर चर्चा करते हुए कहा कि सूर्या शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। पहले निर्देशक विदुथलाई भाग 2 के निर्माण में व्यस्त थे। वह फिल्म अब रिलीज हो गई है।

जल्द शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

इसके अलावा निर्माता ने बताया कि इस दौरान फिल्म पर काम लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि फिल्म का एक अहम हिस्सा एनिमेट्रोनिक बैल लंदन में अपने आखिरी स्टेज पर है, जिससे यह संभावना है कि फिल्म जल्द ही फ्लोर पर आ जाएगी। कुछ समय पहले सूर्या की मुख्य भूमिका वाली फिल्म वादिवासल की घोषणा की गई थी। वेत्रिमारन द्वारा निर्देशित यह फिल्म तमिलनाडु में बैलों को काबू में करने के त्योहार की कहानी पर आधारित है, जो बदले की कहानी भी पेश करेगी।

फिल्म की कहानी

कहानी कथित तौर पर पिच्ची और मरुदन पर केंद्रित है, जो पेरियापट्टी गांव में वार्षिक बैल-वशीकरण उत्सव में भाग लेते हैं। दोनों का लक्ष्य एक क्रूर बैल को वश में करना है, जिसने अतीत में पिच्ची के पिता को हराया था, जिससे बदला लेने वाली कहानी की शुरुआत होती है। चूंकि फिल्म काफी समय से प्री-प्रोडक्शन स्टेज में थी, इसलिए रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इसे शायद रोक दिया गया है। हालांकि, निर्देशक ने खुद 2024 में मीडिया से बातचीत में स्पष्ट किया कि फिल्म को रोका नहीं गया है, बल्कि उनकी अन्य प्रतिबद्धताओं के कारण इसे टाल दिया गया है।

वेत्रिमारन की विदुथलाई -भाग 2

हाल ही में, निर्देशक वेत्रिमारन ने 20 दिसंबर, 2024 को अपनी फिल्म विदुथलाई-भाग 2 रिलीज की। राजनीतिक बैकग्राउंड पर सेट यह पीरियड क्राइम थ्रिलर दो-भाग वाली फिल्म फ्रैंचाइजी की दूसरी किस्त है। यह फिल्म एक पुलिस कांस्टेबल की यात्रा को दिखाती है, जो एक अलगाववादी समूह के नेता के साथ संघर्ष में उलझ जाता है। सोरी और विजय सेतुपति की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म में गौतम वासुदेव मेनन, मंजू वारियर, किशोर, भवानी सेरे, राजीव मेनन, इलावरसु और बालाजी शक्तिवेल भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

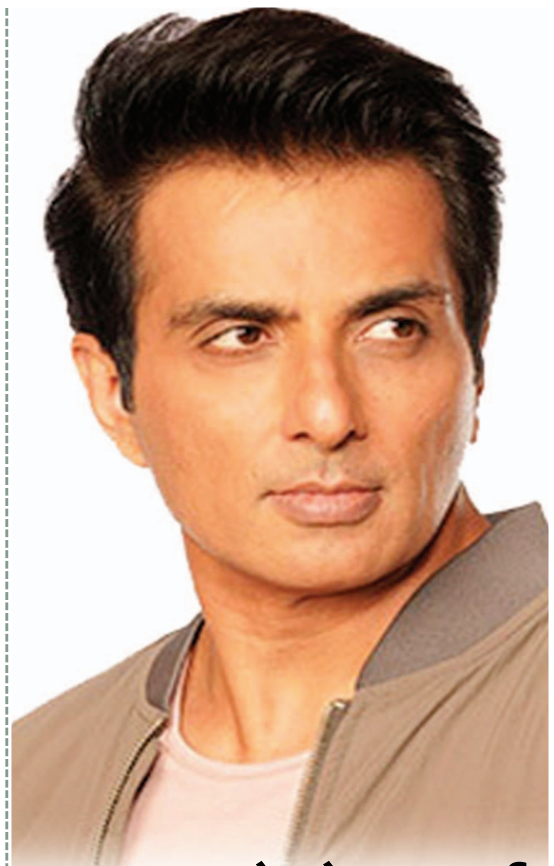

कबीर बहिया से अफेयर की अफवाहों के बीच बोली कृति सेनन

कुछ दिन पहले कृति सेनन को बिजनेस मैन कबीर बहिया के साथ क्रिसमस सेलिब्रेट करते हुए देखा गया। सेलिब्रेशन की ये तस्वीरें कृति ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर भी साझा कीं। हाल ही में कृति एक पॉडकास्ट पर नजर आईं। कृति सेनन से पहले क्रश के बारे में सवाल किया? तो वह बोलीं- 'प्यार को लेकर मैं सिर्फ अपनी सुनती हूं, इस मामले में मैं किसी की नहीं सुनती हूं।' वह पॉडकास्ट में आगे अपने पहले स्कूल क्रश के बारे में भी बताती हैं। कृति सेनन बताती हैं कि जब ग्यारहवीं क्लास में रही होंगी, तब उन्हें पहला क्रश हुआ था। वह लड़का काफी लंबा था, उस पर अकसर ही कृति की नजर चली जाती थी। दोनों एक-दूसरे को पसंद करते थे। वह लड़का कृति की मम्मी के फोन पर कॉल किया करता था। इस बात को मम्मी से छुपाना कृति के लिए काफी मुश्किल होता था। अपने पहले क्रश को याद करके, कृति सेनन पॉडकास्ट पर काफी मुस्कुरा भी रही थीं। आगे चलकर कृति का पहले क्रश के साथ रिलेशनशिप टूट गया। पॉडकास्ट में कृति ने यह भी बताया कि ब्रेकअप होने पर वह रोई भी थी। बाद में उन्हें अहसास हुआ कि यह प्यार नहीं था, बस एक क्रश जैसा था। कृति सेनन ने इस साल तीन फिल्मों में अभिनय किया, जिसमें 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया', 'क्रू' और 'दो पत्ती' शामिल रहीं। फिल्म 'दो पत्ती' में एक्टिंग करने के साथ कृति सेनन ने इसे प्रोड्यूस भी किया। आगे भी वह अपने प्रोडक्शन हाउस तले अलग-अलग तरह की फिल्में प्रोड्यूस करना चाहती हैं।

बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों की कमी पर प्रीति ने जताई चिंता

बॉलीवुड में अच्छी रोमांटिक फिल्में कम बन रही हैं। हाल ही में अभिनेत्री प्रीति जिंटा इस बात से सहमत होती नजर आईं दरअसल प्रीति जिंटा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फैंस के साथ एक बातचीत सैशन रखा। इस दौर उन्होंने अपने करियर और सिनेमा पर बात की। उन्होंने आज के दौरान में इंडस्ट्री में रोमांटिक फिल्मों की कमी पर भी खुलकर बात की। साथ ही कहा कि उन्हें अब भी उम्मीद है कि शायद कुछ बेहतर आइडिया आए। एक्स पर एक यूजर ने प्रीति जिंटा को मैसेज लिखा, मुझे लगता है कि बॉलीवुड में रोमांस, रोमांस के किंग कहे जाने वाले निर्माता यश चोपड़ा के साथ ही खत्म हो गया, क्या आज के समय में हमें बॉलीवुड में अच्छी रोमांटिक फिल्में देखने को मिल सकती हैं? यूजर के सवाल पर प्रीति ने लिखा, मेरा भी यही मानना है। हालांकि, उम्मीद है कि कुछ अच्छी स्क्रिप्ट लिखी जाएं और कुछ नए आइडिया कोई ऐसा शख्स लेकर आए, जिसका दिल सही जगह पर है। मैं भी आपकी तरह इंतजार ही कर रही हूं।

इसके अलावा अभिनेत्री ने अपनी आगामी फिल्म पर भी बात की। एक यूजर ने लिखा, आप किसी नई फिल्म में काम कर रही हैं? अगर ऐसा हो तो आपको बड़े परदे पर देखना दिलचस्प होगा। आप 90 के दशक की हमारी पसंदीदा अदाकारा हैं। इस पर प्रीति जिंटा ने लिखा, बहुत शुक्रिया! मेरी नई फिल्म है लाहौर 1947, जो अगले साल रिलीज होगी। लंबे वक्त बाद कमबैक प्रीति जिंटा ने साल 1998 में मणिरत्नम की फिल्म दिल से के जरिए डेब्यू किया था। इसके बाद वे कोई मिल गया, चोरी चोरी चुपके चुपके, दिल चाहता है, वीर जारा जैसी कई चर्चित फिल्मों में नजर आईं। अदाकार जीन गुडइनफ से शादी के बाद विदेश में बस गई हैं।

एक्शन में बेंचमार्क साबित होगी 'फतेह

एक्टर सोनू सूद अपकमिंग फिल्म फतेह के जरिए डायरेक्शन में डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। यहां तक कि लीड रोल में भी सोनू ही नजर आएंगे। फिल्म 10 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज से पहले सोनू सूद ने दैनिक भास्कर से बातचीत की है। सोनू के मुताबिक, फतेह का एक्शन सीक्वेंस इंडस्ट्री में एक नया बेंचमार्क साबित करेगा।

आप पहली बार डायरेक्टर के रोल में नजर आ रहे हैं, क्या फीलिंग्स हैं?

दो-ढाई साल में खूब मेहनत हुई है। लिखने से लेकर फिल्म के हर बिंदु पर काफी बारीकी से काम किया गया है। मैंने सोच लिया था कि ऐसी एक्शन फिल्म बनाऊंगा जो कभी नहीं बनी हो। हिंदुस्तान भी गर्व से कहे कि ऐसी एक्शन फिल्म पहले कभी नहीं बनी।

क्या आपके लायक फिल्में नहीं बन रही थीं, इसलिए खुद डायरेक्शन में उतरना पड़ा?

कई बार खुद की कहानी खुद के कलम से लिखनी पड़ती है। मैं जैसी फिल्म चाहता था, वह बन नहीं पा रही थी। ऐसा फील हो रहा था कि मैं जो कर सकता हूं, वह मुझसे कराया नहीं जा रहा। यही सोचकर मैंने खुद ही फिल्म बनाने की जिम्मेदारी उठाई।

आप फिल्मों में डायलॉग्स पर भी काफी इनपुट देते हैं, इसका क्रेडिट क्यों नहीं लेते?

डायलॉग्स के जरिए ही हम सही तौर पर ऑडियंस से कनेक्ट कर पाते हैं। डायलॉग्स ऐसे होने चाहिए, जो गली-चौराहे के बच्चे भी समझ जाएं और उससे रिलेट कर पाएं। फतेह देखने के बाद आप निजी जीवन में उसके डायलॉग्स बोलते फिरेंगे।

आपने फिल्म के म्यूजिक पर भी काफी ध्यान दिया है, संगीत की समझ कहां से लाते हैं?

म्यूजिक ऐसा होना चाहिए, जो फिल्म की सीक्वेंस के साथ मैच हो जाए। मैंने फतेह में अरिजीत सिंह, हनी सिंह, विशाल मिश्रा, बी प्राक और जुबिन नौटियाल जैसे इस वक्त के सबसे बड़े सिंगर्स से गाने गवाए हैं।

फतेह के एक्शन की तुलना इंटरनेशनल फिल्मों से की जा रही है, कुछ लोग जॉन विक से मिला रहे हैं?

मैंने इतने सालों तक एक्शन फिल्में की हैं, लेकिन हमेशा लगता था कि कुछ मिसिंग है। कई बार सोचता था कि हम आखिर इंटरनेशनल लेवल का एक्शन क्यों नहीं दिखा पाते हैं। शायद प्रोडक्शन कॉस्ट और विजन ही सबसे बड़ा मसला है। मैंने फतेह के लिए एक्शन सीन्स को प्रॉपर डिजाइन किया। साथ ही पेपर पर हर एक्शन सीन्स की डिटेलिंग भी की थी।

फिल्म में साढ़े तीन मिनट का नॉनस्टॉप एक्शन देखने को मिलेगा। उसमें एक कट नहीं दिखेगा। जुरासिक पार्क, फास्ट एंड फ्यूरियस और कैप्टन मार्वेल जैसी बड़ी हॉलीवुड फिल्मों का एक्शन डिजाइन करने वाली टीम को बुलाकर उनसे काम लिया है। एक्शन सीन्स को शूट करने के लिए साउथ अफ्रीका और मैक्सिको से टीम आई थी। मुझे लगता है कि फतेह का एक्शन एक बेंचमार्क साबित करेगा।

रजनी सर ने तारीफ की तो शॉक्ड हो गई थी

एक्ट्रेस वेधिका कुमार साउथ की सभी भाषाओं के अलावा हिंदी फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने फिल्मों में अपनी जर्नी को लेकर खास बातचीत की। इस दौरान एक्ट्रेस ने साउथ सिनेमा के सुपर स्टार रजनीकांत से पहली मुलाकात का किस्सा भी शेयर किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब 'कांचना 3' के बाद रजनी सर से मिलीं और रजनी सर ने उनकी एक्टिंग की तारीफ की तो शॉक्ड हो गईं।

आप मुंबई में पली बढ़ी हैं, फिर साउथ सिनेमा में एक्टिंग की शुरुआत कैसे हुई?

साउथ सिनेमा में मेरी शुरुआत बिस्कुट के एक ऐड से सूर्या के साथ हुई थी। उस ऐड के लिए मुंबई की एक एजेंसी ने कास्टिंग की थी। जिसे प्रियदर्शन सर ने डायरेक्ट की थी। उस समय सूर्या सर बहुत बड़े स्टार थे। उनके साथ बहुत ही अच्छा अनुभव रहा है। प्रिय दर्शन सर की मैं बहुत बड़ी प्रशंसक हूं, उनके साथ भी काम करना बहुत ही कंफर्टेबल रहा है। वह जमीन से जुड़े इंसान हैं। मेरे लिए बहुत गर्व की बात थी कि ऐसे एक्टर और डायरेक्टर के साथ काम करने का मौका मिला। इस ऐड के बाद साउथ की फिल्मों में मेरी की जर्नी शुरू हुई थी। अब तक 30 से ज्यादा साउथ की फिल्में कर चुकी हूं।

पहली फिल्म 'मद्रासी' की शूटिंग के दौरान का कैसा माहौल था?

पहले दिन की शूटिंग मुंबई में ही थी। उस समय मुझे तमिल बिल्कुल भी नहीं आती थी। हिंदी में डायलॉग लिखकर याद कर लेती थी। अभी तो तमिल मेरी मातृ भाषा जैसी हो गई है। तेलुगु भी बोल लेती हूं। 'मद्रासी' के बाद 'मुनि' रिलीज हुई थी। इस फिल्म को राघव लारेंस ने डायरेक्ट की थी। यह फिल्म मेरे करियर की टर्निंग पॉइंट फिल्म रही है। यह हॉरर कॉमेडी फिल्म थी। इसके बाद लारेंस सर ने कांचना, कांचना 2 और कांचना 3 बनाई। मुनि के बाद मैंने कांचना 3 में मैंने भी काम किया था। अब कांचना 4 बनने जा रही है। यह सारी फिल्में 'मुनि' की ही फ्रेंचाइजी है।

आपकी तुलना कई बड़ी एक्ट्रेस से की जाती है, इस कॉम्प्लीमेंट को किस तरह से देखती हैं?

बहुत अच्छा लगता है। श्रीदेवी मैम को मैंने हमेशा अपना आइडियल माना है। उनसे एक बार दुबई में मिली भी थी। उनके डांस, परफॉर्मेंस और एक्टिंग को बहुत पसंद करती हूं। आज हम उनको बहुत मिस करते हैं। उनकी जैसी इंडस्ट्री में बहुत कम लोग हैं। मेरे लिए यह बड़े गर्व की बात है कि लोग मेरी तुलना उनसे करते हैं, लेकिन मैं अपनी अलग पहचान बनाना चाहती हूं।

किस तरह से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाना चाहती हैं?

मैं चाहती हूं कि लोग मुझे मेरी चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं से जाने। मैंने अब तक कई चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाई है। मैंने बाला सर के डायरेक्शन में तमिल फिल्म 'परदेसी' की थी। मेरे करियर की यह बहुत बड़ी टर्निंग पॉइंट फिल्म थी। इस फिल्म को लेकर इतना एक्साइटेड थी कि शूटिंग के दौरान सो नहीं पाती थी। इस फिल्म में मेरा लुक बहुत ही अलग था। इस फिल्म के बाद मुझे परफॉर्मेंस ओरिएंटेड फिल्में मिलने लगी थीं।

बॉलीवुड में आपकी एंट्री इमरान हाशमी की फिल्म 'द बॉडी' से हुई। हिंदी सिनेमा में इतनी लेट एंट्री क्यों?

मैं साउथ में बहुत बिजी थी, इसलिए यहां ज्यादा ध्यान नहीं दे पा रही थी। मुझे ऑफर्स भी मिले, लेकिन डेट्स प्रॉब्लम की वजह से नहीं कर पाई। कुछ फिल्में ऐसी थीं, जिसमें किरदार नहीं पसंद आया था। 'द बॉडी' का जब ऑफर मिला तो इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड थी। मेरा मानना है कि जब जो होना होता है, तभी होता है। अभी 2025 के लिए कुछ अच्छे प्रोजेक्ट्स के लिए बात चल रही है। कुछ अच्छा ही होगा।

आप पांच भाषाओं में काम कर चुकी हैं, बैलेंस कैसे करती हैं?

बैलेंस करना बहुत मुश्किल होता है, क्योंकि हर भाषा का अपना एक अलग सुर होता है। साउथ की फिल्मों के बाद जब 'द बॉडी' कर रही थी तब हिंदी बोलने में बहुत दिक्कत हो रही थी। जबकि हिंदी बचपन से बोलती आ रही हूं। अभी तो तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ सीख ली हूं।

करियर में अब तक का कोई खूबसूरत कॉम्पलीमेंट, जो आपके दिल को छू लिया हो?

'कांचना 3' जब बहुत बड़ी हिट हुई थी तब राघव लॉरेंस सर के साथ रजनी सर (रजनीकांत) से मिलने गई थी। वो ऐसे सुपर स्टार हैं, जो दूसरों को सुपर स्टार जैसा फील करवाते हैं। रजनी सर ने मेरी फिल्म 'शिवलिंगा' तीन साल पहले देखी थी। उन्होंने फिल्म के एक-एक सीन के बारे में बताते हुए मेरे एक्टिंग की तारीफ की। मैं शॉक्ड हो गई थी। वह मेरे लिए बहुत भी इमोशनल मोमेंट था।

अभी हाल फिलहाल में साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी ऐसे बहुत सारे केस सामने आए हैं। आप का अनुभव कैसा रहा है?

मेरे साथ कभी बुरा अनुभव नहीं हुआ है। ऐसा नहीं है कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री में सबलोग ऐसे ही हैं। मेरा मानना है कि कहीं भी अगर किसी के साथ ऐसा दुर्व्यवहार होता है तो इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। ऐसे लोग से दूर रहने की कोशिश करनी चाहिए। बुरे अनुभव कभी बोल कर नहीं आते हैं। यह कहीं भी हो सकता है।

सेना का ट्रक खाई में गिरने से 04 जवान शहीद, 2 गंभीर रूप से घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार दोपहर हुए एक बड़े सड़क हादसे में सेना के 04 जवान शहीद हो गए। भारतीय सेना का एक ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा, जिसमें 04 जवान शहीद हो गए, जबकि 02 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा बांदीपोरा जिले के एसके पायीन इलाके में हुआ। अधिकारियों के अनुसार, खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में गिर गया। घटना के समय ट्रक में कुल छह जवान सवार थे। सेना ने हादसे पर बयान जारी करते हुए कहा है, कि यह घटना अत्याधिक खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण घटित हुई है। भारतीय सेना ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि हादसे की विस्तृत जांच की जा रही है। इसके साथ ही घायलों का बेहतर इलाज किया जा रहा है। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है।

उपराज्यपाल ने जताया शोक

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एलजी ने कहा, कि भारतीय सेना के बहादुर जवानों की शहादत पर गहरा दुख है। राष्ट्र उनके बलिदान और सेवा को हमेशा याद रखेगा।

गोरखपुर में दो छात्रों ने वेबसाइट हैक कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी

गोरखपुर। गोरखपुर के बीबीए की तैयारी करने वाले दो छात्रों ने क्वीन क्रूज की वेबसाइट हैक कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की। आरोपितों में राजन साहनी और शिवम निषाद शामिल हैं। इन दोनों ने क्रूज के टिकटों को एक रुपये में बुककर, 31 दिसंबर को पार्टी की थी। पुलिस और एसटीएफ ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, शिवम और राजन ने एप का इस्तेमाल कर वेबसाइट हैक कर उसके द्वारा टिकट बुक किए। पहले, 27 दिसंबर को राजन ने एक टिकट बुक किया था, इसके बाद शिवम ने फिर से 31 दिसंबर को चार टिकट बुक किए, जिसकी कुल कीमत 12 हजार रुपये थी। धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ जब साफ्टवेयर मैनेजर ने क्रूज के खातों की जांच की। तब पता चला कि वेबसाइट में भुगतान सफल दिखने के बावजूद, सिर्फ एक रुपये ही खाते में जमा हुए थे। जांच में शिवम के पास से लैपटॉप और महंगे मोबाइल बरामद हुए, जो कि शिवम ने धोखाधड़ी से कमाए गए पैसों से खरीदा था।

एक बार फिर कच्छ में जमीन थर्राई, भूकंप से किसी प्रकार का नुकसान नहीं

कच्छ। फिर एक बार कच्छ जिले में भूकंप का झटका महसूस किया गया है। कच्छ के दुधई इलाके में 3.8 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र दुधई से 28 किमी दूर बताया गया है। भूकंप शाम 4:37 बजे महसूस किया गया। राहत बात है कि भूकंप के झटके से किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। इससे पहले नए साल के पहले दिन कच्छ में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें कोई नुकसान नहीं हुआ था। 1 जनवरी 2025 को भूकंप सुबह 10.24 बजे दर्ज किया गया, जिसका केंद्र भचाऊ से 23 किमी उत्तर-उत्तर पूर्व में स्थित था।

पेरिया दोहरे हत्याकांड मामले में 10 लोगों को आजीवन कारावास

कोच्चि। सीबीआई अदालत ने पेरिया में पांच साल पहले युवा कांग्रेस के दो कार्यकर्ताओं की हत्या मामले में 10 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं, मामले में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक पूर्व विधायक सहित चार अन्य लोगों को 5-5 साल जेल की सजा सुनाई। घटना कासरगोड जिले में पांच साल पहले हुई थी। अदालत ने बीते शनिवार को 14 आरोपियों को दोषी ठहराया था। इसमें 10 दोषियों को हत्या और आपराधिक साजिश के दो मामलों में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। दोनों मामलों में उनकी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इन 10 दोषियों पर हत्या और आपराधिक साजिश का आरोप लगा था। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर दो-दो लाख का जुर्माना भी ठोंका है। यह मामला 17 फरवरी, 2019 को कथित तौर पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा युवा कांग्रेस कार्यकर्ता कृपेश (19) और सरत लाल पी.के. (24) की हत्या करने से संबंधित है। एर्नाकुलम से कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने पेरिया दोहरे हत्याकांड मामले में सीबीआई अदालत के फैसले की सराहना की। वहीं पीड़ित परिवारों की नाराजगी को भी स्वीकार किया। कांग्रेस सांसद ने कहा, एर्नाकुलम सीबीआई अदालत ने पेरिया दोहरे हत्याकांड मामले में सबसे महत्वपूर्ण फैसला सुनाया गया, जहां दो युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सीपीआईएम द्वारा और सरकार की मदद से हत्या कर दी गई थी। हम उस सजा का स्वागत करते हैं, जिसमें 10 मुख्य दोषियों को दोहरे आजीवन कारावास की सजा दी गई है।

बेंगलुरु की कोर्ट से निकिता, निशा और अनुराग सिंघानिया को राहत, मिली जमानत

नई दिल्ली। बेंगलुरु के सिटी सिविल कोर्ट ने निकिता सिंघानिया (पत्नी), निशा सिंघानिया (सास) और अनुराग सिंघानिया (जीजा) को जमानत दे दी। सिंघानिया ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी और अंतरिम जमानत की मांग की थी। उसके वकील ने अदालत को बताया था कि उसकी गिरफ्तारी अवैध थी और पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए कोई आधार नहीं दिया था। वकील ने अदालत से सिंघानिया को अंतरिम जमानत देने का आग्रह किया ताकि वह उच्चतम न्यायालय में अपना बचाव कर सकें। अतुल सुभाष की मां ने सुप्रीम कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है। सिंघानिया के वकील ने तर्क दिया कि जमानत के बिना, वह कार्यवाही में शामिल नहीं हो सकेंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि उस मामले में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका एक हिरासत लड़ाई के बराबर होगी जिसे उसकी अनुपस्थिति में अस्वीकार कर दिया जाएगा।

आईआईएम मुंबई ने जीता प्रतिष्ठित लीप्स-2024 पुरस्कार

-शिक्षा और कौशल विकास श्रेणी के 34 प्रतिभागियों में आईआईएम मुंबई रहा अव्वल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) मुंबई ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए लॉजिस्टिक्स सेक्टर श्रेणी में इंस्टीट्यूशन: एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट का लीप्स 2024 (लीप्स-2024) पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव हासिल किया है। इस तरह संस्थान ने 34 प्रतिष्ठित प्रतिभागियों में प्रथम स्थान प्राप्त कर लॉजिस्टिक्स शिक्षा और कौशल विकास में अपने नेतृत्व को और मजबूती से प्रस्तुत किया है। यह पुरस्कार केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल द्वारा प्रोफेसर मनोज कुमार तिवारी को प्रदान किया गया।

गौरतलब है कि लीप्स 2024 यानि लॉजिस्टिक्स एक्सीलेंस, एडवांसमेंट एंड परफॉरमेंस शील्ड की यह पहल लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के भीतर असाधारण योगदान और इनोवेशंस को सम्मान देती है, जिसमें एमएसएमई, स्टार्टअप और प्रमुख सक्षमकर्ता शामिल हैं जो बदलाव करने वाले कार्यों और महत्वपूर्ण प्रभाव का प्रदर्शन करते हैं।

पुरस्कार के साथ, बहुप्रतीक्षित लॉजिस्टिक्स ईज एक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स रिपोर्ट 2024 का भी अनावरण किया जाना है। राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति, 2022 के तहत डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) द्वारा किया जाने वाला यह वार्षिक मूल्यांकन पूरे भारत में लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप प्रदान करता है।

इस घोषणा से बेहद उत्साहित, आईआईएम मुंबई के निदेशक प्रोफेसर मनोज कुमार तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह सम्मान भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए मैनेजमेंट की शिक्षा और कौशल विकास में उत्कृष्टता लाने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम भारत सरकार और गवर्निंग बॉडीज के प्रति उनके निरंतर समर्थन और हमारे दृष्टिकोण में विश्वास रखने के लिए बहुत आभारी हैं। जैसे-जैसे लॉजिस्टिक्स भारत की आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण होता जा रहा है, आईआईएम मुंबई भविष्य के लिए तैयार वर्कफोर्स को सशक्त बनाने के लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, स्थिरता और क्षमता निर्माण जैसे उभरते ट्रेंड्स के साथ अपने प्रयासों को संरेखित करने के लिए समर्पित है।

ऑलकार्गो ग्रुप के संस्थापक और चेयरमैन तथा आईआईएम मुंबई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष शशि किरण शेट्टी भारत के लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन इंडस्ट्री को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पिछले तीन दशकों में, उन्होंने पुराने बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे और वेयरहाउसिंग सिस्टम को आधुनिक, प्रौद्योगिकी-संचालित सल्यूशंस बदले जाने का नेतृत्व किया है, जिससे भारत वैश्विक व्यापार में एक प्रतिस्पर्धी देश बन गया है।

जब से श्री शेट्टी ने आईआईएम मुंबई बोर्ड के अध्यक्ष की भूमिका संभाली है, तब से संस्थान ने लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में इनोवेशन के ड्राइवर्स के रूप में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने में बहुत अधिक गति प्राप्त की है, क्योंकि वे संस्थानों को आधुनिक, तकनीक-सक्षम प्रथाओं, प्रतिभा को बढ़ावा देने और इंडस्ट्री कोलैबरेशन के केंद्र के रूप में हैं। श्री शशि किरण शेट्टी के इस दृष्टिकोण का उद्देश्य टिकाऊ और कुशल समाधानों को आगे बढ़ाते हुए ग्लोबल लॉजिस्टिक्स हब के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के लिए नोडल एजेंसी के रूप में आईआईएम मुंबई की महत्वपूर्ण भूमिका और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति को आकार देने में इसकी सक्रिय भागीदारी भारत के लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे के परिदृश्य में इसके अद्वितीय योगदान को रेखांकित करती है।

आईआईएम मुंबई को मिला यह सम्मान न केवल प्रबंधन शिक्षा और इनोवेशन में उत्कृष्टता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है, बल्कि इसे भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रमुखता दिलाने में अग्रणी के रूप में भी स्थापित करता है।

आईआईएम मुंबई के बारे में

भारत सरकार द्वारा देश की आर्थिक राजधानी में 1963 में स्थापित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट मुंबई (आईआईएम मुंबई) का लगातार भारत के शीर्ष बी-स्कूलों में शुमार रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों में लगभग 1,200 छात्रों के साथ, आईआईएम मुंबई देश में प्रबंधन शिक्षा में अग्रणी है और पूरे भारत में प्रबंधन संस्थानों में 2024 के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशन रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 6वें स्थान पर है। आईआईएम मुंबई ऑपरेशंस मैनेजमेंट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, अनालिटिक्स, फाइनेंस, मार्केटिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, एचआर, इंफॉर्मेशन टेक्नालॉजी और सस्टेनेबिलिटी मैनेजमेंट जैसे विविध कार्यात्मक क्षेत्रों में कुशल प्रोफेशनल्स को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जदयू के पोस्टर से गायब पीएम मोदी, क्या फिर खेला करने को तैयार नीतीश बाबू

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान एक पोस्टर ने सियासी बवाल मच गया है। सीएम नीतीश कुमार ने जिले में आईटीआई का उद्घाटन कर कई विकास योजनाओं की शुरुआत की, लेकिन पोस्टर के विवाद ने बीजेपी और जदयू के रिश्तों में खटास का संकेत दे दिया है। जिला समाहरणालय के मुख्य द्वार पर जदयू द्वारा लगे पोस्टर में मुख्यमंत्री नीतीश के साथ-साथ पार्टी के कई नेताओं और मंत्रियों के फोटो थे, लेकिन पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के किसी अन्य नेता का फोटो नहीं था। इस पर बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने सवाल उठाकर कहा कि यह गठबंधन धर्म का उल्लंघन है। उन्होंने मामले में जदयू के राष्ट्रीय नेतृत्व से जांच की मांग कर कहा कि यह मुद्दा एनडीए की बैठक में भी उठाया जाएगा। बीजेपी नेताओं का आरोप था कि पोस्टर में जानबूझकर प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी के नेताओं को शामिल नहीं किया गया, जो एक सियासी संदेश देता है। जैसे ही यह खबर मीडिया में आई, जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बीजेपी नेताओं के फोटो पोस्टर पर लगा दिए। इस घटनाक्रम ने एनडीए गठबंधन में दरार की चर्चाओं को हवा दी है, और सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या नीतीश कुमार फिर से खेला करने जा रहे हैं। अब सभी की नजरें इस पर हैं कि क्या यह सियासी विवाद गठबंधन टूटने की दिशा में कोई बड़ा कदम होगा।

पटना साहिब में श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का प्रकाश उत्सव पर्व का आगाज

*** 6 जनवरी की दोपहर 1:00 बजे आ सकते हैं केंद्रीय मंत्री अमित शाह**

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। बोले सो निहाल सत श्री अकाल की गूंज से पटना साहिब शनिवार की सुबह गूंजने लगा। प्रभात फेरी, नगर कीर्तन के साथ ही सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का 358वां प्रकाश उत्सव पर्व का आगाज हो गया। तीन दिनों तक चलने वाले प्रकाश उत्सव पर्व में देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। पटना साहिब गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह ने बताया कि इस वर्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 6 जनवरी की दोपहर 1:00 बजे आ सकते हैं।

शनिवार की सुबह से ही बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं का सिलसिला शुरू हो गया है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से हजारों की संख्या में सिख श्रद्धालु पटना साहिब पहुंच रहे हैं। इसके लिए प्रबंधन कमेटी के लोगों ने भी सभी लोगों के ठहरने की पूरी व्यवस्था की है। पटना साहिब के बाल लीला गुरुद्वारा, कंगन घाट, मुख्य गुरुद्वारा पटना साहिब, अतिथिशाला सहित सभी जगह को श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित किया गया है।

सिंह ने बताया कि इस वर्ष केंद्र सरकार सहित राज्य सरकार के सभी मंत्रियों को गुरु पर्व के मौके पर आने का निमंत्रण भेजा गया है। इसके अलावा उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्यपाल मोहम्मद आरिफ खान, उपमुख्यमंत्री सहित कई मंत्रियों के आने के भी संभावना है। उन्होंने बताया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पटना साहिब प्रबंधन कमेटी के अलावा बिहार सरकार के तरफ से भी समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि भूरी वाले के तरफ से और प्रबंधन कमेटी की तरफ से सभी श्रद्धालुओं के लिए लंगर 24 घंटे के लिए खोल दिए गए हैं।

तीन दिनों का परीक्षण हुआ सफल: अब 180 की तेज गति से दौड़ेगी वंदे भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने पिछले तीन दिनों में अपने कई परीक्षणों में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की है। जनवरी के अंत तक यह परीक्षण जारी रहेंगे। उसके बाद देश भर के रेल यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह विश्व-स्तरीय यात्रा उपलब्ध कराई जाएगी।

कोटा डिवीजन में सफल परीक्षण का एक वीडियो साझा करते हुए, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर अपनी पोस्ट में इसकी गति का उल्लेख किया। वीडियो में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के अंदर एक मोबाइल के बगल में पानी से भरा गिलास दिखाया गया है। पानी का स्तर स्थिर देखा जा सकता है। आशय ये है कि चलती ट्रेन 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम और स्थिर गति प्राप्त करती है। हाई-स्पीड रेल यात्रा में वंदे भारत यात्रियों को आराम का अनुभव कराती है। यह पोस्ट 3 दिनों के सफल परीक्षणों के बाद आया है, जो 2 जनवरी को समाप्त हुआ, जिसमें वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने अपनी भरी हुई स्थिति में अधिकतम गति प्राप्त की।

वंदे भारत ट्रेनें अब कई शताब्दी ट्रेन मार्गों पर उपलब्ध हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस भारत की सबसे तेज़ ट्रेन है और 180 किमी/घंटा तक की गति तक पहुंचने में सक्षम है। अब तक, यह दिल्ली और वाराणसी जैसे छोटे और मध्यम दूरी के प्रमुख शहरों को जोड़ती है और एक शानदार यात्रा अनुभव प्रदान करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि वंदे भारत ट्रेनें गति और आराम का एक सहज मिश्रण प्रदान करती हैं। यह केवल यात्रा का एक तरीका नहीं है बल्कि आधुनिक भारतीय इंजीनियरिंग का एक अनुभव है।

रेलवे के लिए असली चुनौती बर्थ जोड़ना और ट्रेनों को पूर्ण यात्री और सामान लोड की स्थिति के लिए परीक्षण करना था ताकि उन्हें 180 किमी/घंटा की अधिकतम गति प्राप्त करते हुए वंदे भारत स्लीपर कोच में परिवर्तित किया जा सके। इन सफल परीक्षणों के साथ, रेल यात्री कश्मीर से कन्याकुमारी, दिल्ली से मुंबई, हावड़ा से चेन्नई और कई अन्य मार्गों जैसे लंबी दूरी की यात्राओं में विश्व-स्तरीय यात्रा अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं। उन्हें यात्रा का समय काफी कम होने से लाभ होगा। मुंबई-दिल्ली लंबी दूरी की यात्रा की वर्तमान औसत गति 90 किमी/घंटा है, जिसमें तेजस राजधानी एक्सप्रेस के लिए अधिकतम स्वीकार्य गति 140 किमी/घंटा है, जो देश में सभी राजधानी ट्रेन सेवाओं में सबसे तेज है।

कोटा और लबान के बीच हुआ परीक्षण

राजस्थान के बूंदी जिले में कोटा और लबान के बीच 30 किलोमीटर लंबे ट्रायल रन के दौरान ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। वर्ष 2025 के पहले दिन रोहल खुर्द से कोटा के बीच 40 किलोमीटर लंबे ट्रायल रन में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। इसी दिन कोटा-नागदा और रोहल खुर्द-चौमहला सेक्शन पर 170 किलोमीटर प्रति घंटे और 160 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) लखनऊ की निगरानी में ये ट्रायल जनवरी महीने तक जारी रहेंगे। एक बार ये परीक्षण पूरे हो जाने के बाद, रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा अधिकतम गति पर ट्रेन का मूल्यांकन किया जाएगा। अंतिम चरण में सफल होने के बाद ही, वंदे भारत ट्रेनों को आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया जाएगा और उन्हें भारतीय रेलवे को शामिल करने और नियमित सेवा के लिए सौंप दिया जाएगा।

एससी/एसटी छात्रों की आत्महत्या पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, यूजीसी से मांगा डेटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में एससी/एसटी वर्ग के छात्रों द्वारा की गई आत्महत्याओं और जातिगत भेदभाव के मामलों पर सख्त रुख अपनाया है। रोहित वेमुला और पायल ताडवी की मां द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को निर्देश दिया कि वह केंद्रीय, राज्य, निजी और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से इन मामलों से संबंधित आंकड़े इकट्ठा करे।

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी को 2012 के रेग्युलेशन के तहत बनाए गए समान अवसर सेल्स (ईओसी) की शिकायतों और उन पर उठाए गए कदमों की रिपोर्ट पेश करने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए नियमित सुनवाई की जाएगी।

2012 रेग्युलेशन के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

सुप्रीम कोर्ट ने 2004 से 2024 के बीच आईआईटी संस्थानों में 115 आत्महत्याओं के आंकड़ों पर चर्चा करते हुए कहा कि 2012 के यूजीसी रेग्युलेशन को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए मजबूत तंत्र आवश्यक है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जातिगत भेदभाव के मामलों को खत्म करने के लिए संस्थानों में शिकायत निवारण प्रणाली को और सशक्त बनाना होगा।

रोहित वेमुला और पायल ताडवी के मामले प्रमुख

याचिका में विशेष रूप से रोहित वेमुला और पायल ताडवी के मामलों का उल्लेख किया गया है। रोहित वेमुला ने 17 जनवरी 2016 को हैदराबाद विश्वविद्यालय में जातीय भेदभाव के आरोपों के चलते आत्महत्या कर ली थी। इसी तरह, पायल ताडवी, जो मुंबई के टीएन टोपीवाला मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रही थीं, ने 22 मई 2019 को आत्महत्या कर ली। याचिकाकर्ता ने एससी/एसटी छात्रों और शिक्षकों के खिलाफ भेदभाव रोकने के लिए मजबूत और प्रभावी तंत्र की मांग की है। कोर्ट ने यह सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता जताई कि संस्थान शिकायतों को गंभीरता से लें और भेदभाव रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की वकील इंदिरा जयसिंह ने अदालत के समक्ष इन मुद्दों की गंभीरता को रेखांकित किया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई को प्राथमिकता देते हुए आगे की कार्रवाई का संकेत दिया है।

खुद को मॉडल बता कर सैकड़ों लड़कियों से दोस्ती, फिर निजी तस्वीरों से ब्लैकमेलिंग का काम

*** दिल्ली पुलिस ने शातिर साइबर क्रिमिनल तुषार बिष्ट को गिरफ्तार किया**

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने 23 साल के शातिर साइबर क्रिमिनल तुषार बिष्ट को गिरफ्तार किया है, तुषार ने फेक प्रोफाइल बनाकर ऑनलाइन डेटिंग एप पर सैकड़ों लड़कियों से दोस्ती कर उनकी निजी तस्वीरें प्राप्त कर उन्हें ब्लैकमेल किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने खुद को एक अमेरिकी फ्रीलांस मॉडल बताकर और ब्राजील के मॉडल की तस्वीर का इस्तेमाल कर लड़कियों को अपने जाल में फंसाया।

पुलिस ने बताया कि तुषार ने 18 से 30 साल की उम्र की लड़कियों को निशाना बनाया था। वह बंबल, स्नैपचैट और अन्य डेटिंग एप पर एक अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल नंबर का उपयोग करता था। जब महिलाएं आरोपी तुषार से दोस्ती करने लगती थीं, तब वह उनकी निजी तस्वीरें और वीडियो मांगता था और बाद में उन्हें वायरल करने की धमकी देकर पैसे वसूलता था।

विवाद तब बढ़ा जब एक दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा ने तुषार से अपनी निजी तस्वीरें साझा की थीं और इसके बाद में ब्लैकमेलिंग का शिकार हुई। आरोपी ने छात्रों को धमकी दी कि यदि पैसे नहीं दिए, तब वहां उसकी निजी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देगा। परेशान होकर छात्रा ने अपने परिवार को बताकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने आरोपी की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया। तुषार के पास से कई फर्जी आईडी, एक मोबाइल फोन,

और 13 क्रेडिट कार्ड बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, तुषार ने 500 से अधिक महिलाओं से चैटिंग की और उनके व्यक्तिगत डेटा का गलत फायदा उठाकर पैसों की उगाही की। अब तक 4 अन्य महिलाओं की भी पहचान की जा चुकी है, जो तुषार के शिकार बनी थी।

भारत के कथित गुप्त मिशनों की खबरों को भारत ने नकारा कहा- पूर्वाग्रह से ज्यादा कुछ नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट की कुछ खबरों को लेकर भारत में काफी चर्चा हुई। मालदीव और पाकिस्तान में भारत के कथित गुप्त मिशनों वाली दोनों खबरों को लेकर भारत ने बेहद कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे पूर्वाग्रह से ज्यादा कुछ नहीं बताया। मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस पर पूछे गए प्रश्न के जवाब में कहा कि वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित यह दोनों खबरें निराधार, गैर-विश्वसनीय और भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैये वाली हैं। इसलिए हम इन्हें सिरे से खारिज करते हैं। जायसवाल ने यह भी कहा कि इन दोनों खबरों को देखकर ऐसा लगता कि अखबार और उसके संवाददाता दोनों ही भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया रखते हैं। आप उनकी गतिविधियों और खबरों में एक पैटर्न को देख सकते हैं। ऐसे में उनकी विश्वसनीयता कितनी है, उसके आकलन का काम हम आप पर छोड़ते हैं। जहां तक हमारा सवाल है, हमें उनमें कोई विश्वसनीयता नजर नहीं आती है।

वाशिंगटन पोस्ट ने मालदीव पर डेमोक्रेटिक रिन्यूअल इनिशिएटिव नामक एक आंतरिक दस्तावेज के हवाले से अपनी खबर में यह दावा किया कि राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू को उनके पद से हटाने के लिए उन पर महाभियोग चलाने के लिए मालदीव के विपक्षी नेताओं ने उनकी पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस के कुछ सदस्यों सहित विपक्ष के 40 सांसदों ने भारत से कथित तौर पर लगभग 6 मिलियन डॉलर (51 करोड़ रुपए) की रिश्वत की मांग की थी। मालदीव की विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने पिछले साल 2024 की शुरुआत में भारत से रिश्वत की यह मांग की थी। हालांकि ये सफल नहीं हो पाई थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस काम को पूरा करने के लिए भारत के रिसर्च एंड एनालिसिस विंग यानी रॉ के एजेंटों की मालदीव के विपक्षी सांसदों से गुप्त चर्चा भी हुई। वहीं, पाकिस्तान को लेकर आई खबर में वाशिंगटन पोस्ट ने अनाम पाकिस्तानी और पश्चिमी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि भारत की खुफिया एजेंसी रॉ वर्ष 2021 से पाकिस्तान के अंदर आधा दर्जन लोगों को मारने का एक कार्यक्रम चला रही है।

चीन के दो नए काउंटी मंजूर नहीं

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने चीन से जुड़े एक प्रश्न के जवाब में कहा कि हमने चीन की होटन प्रांत में दो नई काउंटियों की स्थापना से जुड़ी हुई घोषणा देखी है। इन तथाकथित काउंटियों के कुछ हिस्से भारत के केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख क्षेत्र में भी आते हैं। यह हमें बिलकुल भी मंजूर नहीं है। भारत ने कूटनीतिक माध्यमों से इसे लेकर चीनी पक्ष के सामने अपना विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा, हमने इस भारतीय क्षेत्र पर कभी भी चीन के अवैध कब्जे को स्वीकार नहीं किया है। नए काउंटियों के निर्माण से इस क्षेत्र पर न ही हमारी संप्रभुता को लेकर भारत की दीर्घकालिक और स्थापित स्थिति पर कोई फर्क पड़ेगा और न ही इससे चीन के अवैध कब्जे को कोई मान्यता मिल पाएगी। पूर्वोत्तर भारत से लगे तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन की बांध (यारलुंग जांगबो) बनाने की कोशिश को लेकर जायसवाल ने कहा कि भारत अपने हितों की रक्षा के लिए इस मामले पर लगातार निगरानी रखेगा और जरूरी कदम उठाएगा।

नेपाल के बाल गायक सचिन ने 15 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

कांठमांडू। नेपाल के प्रसिद्ध बाल गायक सचिन परियार का निधन हो गया है। महज 15 साल की उम्र में सचिन की ऑक्सीजन की कमी और हार्ट अटैक के कारण उनका निधन हुआ है। काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा था, जहां 2 जनवरी को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा। मीडिया रिपोर्ट में अस्पताल सूत्रों के मुताबिक सचिन कई सालों से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे और पांच साल तक इलाज के बावजूद उनकी

हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। सचिन के निधन से उनके प्रशंसकों और परिवार गहरे सदमें में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सचिन की मां और पिता अपने बेटे के निधन के बाद सुदबुद खो चुके हैं। इंटरनेट पर सामने आए वीडियो में सचिन के अंतिम संस्कार के दृश्य में उनके माता-पिता को रोते बिलखते देखा गया। सचिन की मां की चीखें दिल दहला देने वाली थीं, क्योंकि वह अपने बेटे को खोने के दुख सह नहीं पा रही थी। सचिन के पिता भी सहारा लेते दिखाई दिए। एक तस्वीर में सचिन की मां अपने बेटे के शव के पास खड़ी थीं, जो फूलों से सजा था और माथे पर लाल कुमकुम लगा था। सचिन परियार को 28 दिसंबर, 2024 को तेज बुखार, दौरे और चेतना के चलते अस्पताल में भर्ती कराया था। उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आई और उन्हें निमोनिया, कई अंगों की शिथिलता, तीव्र किडनी की चोट, एन्सेफैलोपैथी और रक्तस्राव विकार जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा। एन्सेफैलोपैथी एक ऐसी बीमारी है जिसमें मस्तिष्क का कार्य या संरचना प्रभावित होता है। बता दें छोटी सी उम्र में ही सचिन ने नेपाली मनोरंजन उद्योग में अपनी विशेष पहचान बनाई। वह अपने लोकप्रिय गीत ओथा खोलेरा के लिए बहुत मशहूर थे। सचिन की यादें हमेशा उनके प्रशंसकों के दिलों में जीवित रहेंगी और उनका योगदान नेपाली संगीत जगत में हमेशा याद किया जाएगा।

इथोपिया में 5.5 तीव्रता का आया भूकंप, ज्वालामुखी के फटने से तबाही की आशंका

अदीस अवावा। यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक इथोपिया में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किमी (6.21 मील) की गहराई पर था। इससे पहले दिन में, अनादोलु अजांसी ने इथियोपिया के केंद्रीय माउंट डोफन में ज्वालामुखी विस्फोट की सूचना दी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस क्षेत्र में हाल ही में लगातार छोटे-छोटे झटके महसूस किए गए हैं। लगातार आने वाले इन झटकों ने संभावित बड़ी आपदा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। खास तौर पर अवाश फेंटाले क्षेत्र में, जो अदीस अबाबा से लगभग 142 मील (230 किमी) दूर है। हाल के हफ्तों में, इस क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक छोटे भूकंप आए हैं। इससे निवासियों को इस मुद्दे पर चिंता हो रही है। राज्य के स्वामित्व वाली फना ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्रीय प्रशासक अब्दु अली ने कहा है कि अधिकारी जोखिम वाले निवासियों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित करके हताहतों को रोकने के प्रयास कर रहे हैं। अली ने बताया कि भूकंप के झटके जारी हैं और अधिक शक्तिशाली होते जा रहे हैं। सबसे हालिया झटके रात में अदीस अबाबा में महसूस किए गए। उन्होंने कहा कि क्रेटर से धुआं निकलना बंद हो गया है। लेकिन ज्वालामुखी से लावा अभी भी बह रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों और मवेशियों को निकाला गया है, लेकिन उन्होंने संख्या नहीं बताई। एडिस स्टैंडर्ड के अनुसार, सितंबर के अंत से अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस क्षेत्र में 67 से अधिक भूकंप दर्ज किए हैं। विशेष रूप से फेंटेल क्षेत्र में जो ग्रेट रिफ्ट वैली का हिस्सा है। प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों ने समाचार पत्र को बताया कि 30 से अधिक घर ढह गए हैं, जहां भूकंप के झटके अधिक बार और अधिक हिंसक हो गए हैं। एक स्थानीय निवासी ने समाचार पत्र को बताया, 'घर दिन-प्रतिदिन ढह रहे हैं।

स्टॉक मार्केट में हुआ करोड़ों का नुकसान तो फ्री कूपन का लेने लगे आनंद

-2024 में संपत्ति 31.5 करोड़ रुपए पहुंची, आज भी साइकिल से चलते हैं

टोक्या। 75 साल के जापानी बुजुर्ग हिरोटो किरितानी, जिन्हें गॉड ऑफ फ्रीबीज के नाम से जाना जाता है। वह अनोखी लाइफस्टाइल के चलते इंटरनेट पर छाए हुए हैं। करोड़ों की संपत्ति के मालिक होने के बावजूद किरितानी हर दिन कूपन और मुफ्त ऑफर्स का पूरा फायदा उठाते हैं। किरितानी जो जापानी शतरंज जैसे खेल शोगी के शानदार खिलाड़ी थे, उन्होंने अपने करियर की शुरुआत शेयर बाजार में सिक्योरिटीज फर्म में टीचर के तौर पर की थी। वहीं पर उन्होंने शेयर ट्रेडिंग के गुर सीखे और पहली बार 10 करोड़ येन यानी 5.29 करोड़ रुपए की कमाई की। 2024 तक उनकी संपत्ति बढ़कर 60 करोड़ येन यानी 31.5 करोड़ रुपए तक पहुंच गई लेकिन वह आज भी साइकिल से ही चलते हैं। 2008 के स्टॉक मार्केट क्रैश में 20 करोड़ येन का नुकसान होने के बाद किरितानी ने ठान लिया कि अब एक भी पैसा बेकार नहीं जाने देंगे। उन्होंने एक हजार से ज्यादा कंपनियों के शेयर खरीदकर उनके कूपन और शेयरहोल्डर परक्स का इस्तेमाल किया। शेयरहोल्डर परक्स उन विशेष लाभों को कहते हैं, जो कंपनियां अपने शेयरधारकों को देती हैं। इनमें डिस्काउंट कूपन, मुफ्त प्रोडक्ट सैंपल, फ्री टिकट्स, गिफ्ट्स, बोनस और कंपनी इवेंट्स में शामिल होने का मौका शामिल है। कुछ कंपनियां अतिरिक्त लाभ जैसे बोनस शेयर या डिविडेंड भी देती हैं, जो निवेशकों की वफादारी बनाए रखने में मदद करते हैं। किरितानी हर सुबह टोक्यो की सड़कों पर अपने कूपन से खरीदी गई साइकिल से निकलते हैं। वह मुफ्त खाने के लिए रेस्टोरेंट जाते हैं। फ्री जिम में एक्सरसाइज करते हैं और यहां तक कि फ्री मूवी टिकट्स के जरिए हर साल 140 फिल्में देखते हैं। मजेदार बात यह है कि वह फिल्मों का आनंद नहीं लेते, बल्कि थिएटर की आरामदायक सीट्स पर सो जाते हैं। किरितानी का मानना है कि कूपन का सही इस्तेमाल करना उनके जीवन का उद्देश्य है। उनकी अनोखी कहानी ने उन्हें इंटरनेट संसेशन बना दिया है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी इस लाइफस्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

जॉनसन बने हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव के स्पीकर

वॉशिंगटन। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव में रिपब्लिकन सांसद माइक जॉनसन को फिर से स्पीकर चुन लिया गया। जॉनसन को नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भी सपोर्ट हासिल था। हालांकि ट्रम्प के सपोर्ट के बाद भी उन्हें जीत के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। लुइसियाना से सांसद माइक जॉनसन को 2023 में भी इसी हाउस का स्पीकर चुना गया था। जॉनसन को दोबारा स्पीकर बनने के लिए 218 वोट की जरूरत थी। लेकिन शुरुआत में उनकी रिपब्लिकन पार्टी के ही 3 सांसदों ने उनका सपोर्ट करने से इनकार कर दिया। इसके बाद जॉनसन ने बहुमत हासिल करने के लिए 45 मिनट तक लॉबिंग की। तब जाकर दो उन्हें रिपब्लिकन सांसदों का सपोर्ट मिला, जिससे वो बहुमत हासिल कर पाए।

अमेरिका में ट्रक से कुचलने के बाद, गोलीबारी की घटना....4 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया

वाशिंगटन। अमेरिका में ट्रक से कुचलने की घटना के बाद अब वाशिंगटन डीसी में गोलीबारी की घटना हुई है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, फायरिंग के बाद 4 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया है। घायलों में 3 पुरुष और एक महिला शामिल है। घटना रात करीब 9 बजे हुई। हमले की चपेट में आए सभी पीड़ित होश में हैं। बात दें कि गोलीबारी की घटना हैरी थॉमस वे नॉर्थईस्ट के 1500 ब्लॉक में हुई, जो मेट्रो स्टेशन से सिर्फ 500 फीट दूर है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमले के बाद 2 पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाया गया। इतना ही नहीं गोलीबारी के दौरान भगदड़ से कई लोग घायल भी हुए हैं। जिस जगह पर गोलीबारी हुई, वहां अक्सर काफी भीड़ रहती है। फिलहाल, पुलिस टीम मौके पर तैनात है और घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि हमलावर के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। घटनास्थल से सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं। आसपास जो लोग मौजूद थे उन सभी से पूछताछ की जा रही है।

कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शनी पार्क में समरनेट्स कार फेस्टिवल के दौरान बर्नआउट प्रदर्शन का मंचन किया गया। यहां पर प्रतिवर्ष 2 से 5 जनवरी तक कार फेस्टिवल आयोजित किया जाता है।

बाढ़ से जूझ रहे श्रीलंका का आर्थिक मदद देकर, क्या डेट ट्रैप डिप्लोमेसी कर रहा चीन

कोलंबो (ईएमएस)। आर्थिक संकट और बाढ़ से जूझ रहे श्रीलंका में चीन अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की है। बाढ़ पीड़ितों की मदद के नाम पर चीन ने श्रीलंका में राहत सामग्री और सहायता पहुंचाकर अपनी पैठ बढ़ने

की कोशिश की है। चीन ने श्रीलंका में 46 लाख बच्चों के लिए मुफ्त स्कूल ड्रेस और राशन उपलब्ध कराया हैं। यह कदम श्रीलंका की मौजूदा आर्थिक स्थिति में चीन की छवि सुधारने और वहां अपनी मौजूदगी को मजबूती करने की रणनीति का हिस्सा है। चीन के इस कदम पर विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की असली मंशा अपने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) को बढ़ावा देना है। श्रीलंका में पहले से ही कई चीनी परियोजनाएं चल रही हैं, इसमें हंबनटोटा और कोलंबो पोर्ट सिटी जैसी प्रमुख योजनाएं हैं। इन परियोजनाओं के द्वारा चीन अपनी आर्थिक और रणनीतिक पकड़ मजबूत कर रहा है। चीन की यह सॉफ्ट पावर रणनीति आर्थिक सहायता और मानवीय राहत के जरिए देशों को अपनी ओर आकर्षित करने पर केंद्रित है। श्रीलंका में यह रणनीति न केवल चीन की उपस्थिति को मजबूत करेगी, बल्कि भविष्य में श्रीलंका को अपने पक्ष में रखने की गारंटी भी देगी। दरअसल आर्थिक संकट के चलाते श्रीलंका को चीन और अन्य देशों से कर्ज लेना पड़ा है। इस स्थिति में चीन की मदद कई बार डेट ट्रैप डिप्लोमेसी का हिस्सा होती है, जहां कर्ज के बदले चीन संबंधित देश पर राजनीतिक और आर्थिक नियंत्रण बढ़ा लेता है।

यूक्रेन के ड्रोन हमलों का जवाब देने रूस ने चलाया ब्रह्मास्त्र, जेलेंस्की की उड़ी नींद

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन का युद्ध अब स्वाभिमान का सवाल बन गया है। करीब तीन सालों से जारी युद्ध में कोई भी झुकने को तैयार नहीं है। ऐसे में अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नए ब्रह्मास्त्र से यूक्रेन खौफ में आ गया है। पुतिन का ये नया ब्रह्मास्त्र ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की नींद उड़ा दी है? यूक्रेन के डिफेंस इंटेलिजेंस प्रमुख किरिलो बुडानोव ने रूस के अत्याधुनिक फाइबर ऑप्टिक ड्रोन को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि यूक्रेन के पास रूस के इस हथियार का कोई तोड़ नहीं है।

उन्होंने कहा कि हम ड्रोन वॉर जीत रहे थे लेकिन अब रूस ने बड़े स्तर पर फाइबर ऑप्टिर एफपीवी ड्रोनों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। ये हमारे लिए बहुत मुश्किल है क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर से इसे रोक पाना असंभव है। हम इसका तकनीकी समाधान ढूंढने की कोशिश करेंगे। बता दें कि बीते कुछ समय से यूक्रेन की सेना को रूस के

इस नए तरह के एफवीपी ड्रोन कामिखाजा के नए प्रकार का पता चला है।

रूस के इस एफवीपी कामिखाजा ड्रोन को सेना की लैब में तैयार किया गया है। रूस और यूक्रेन के बीच ये जंग ड्रोन युद्ध के रूप में बदल चुकी है। दोनों मुल्क जमकर ड्रोन्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में युद्ध के बीच ये समझ पाना मुश्किल है कि कौन सा ड्रोन किसका है। ये ड्रोन अद्भुत कंट्रोल सिस्टम से लैस हैं जो फाइबर ऑप्टिक केबल से चलते हैं। रूस के ये नए ड्रोन इतने सशक्त और भेदी हैं कि ये वायरलेस रेडियो फ्रीक्वेंसी से भी बचकर निकल जाते हैं।

दरअसल पारंपरिक ड्रोन जीपीएस और आरएफ सिग्नल पर निर्भर होते हैं और इन्हें जैमिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर टेक्टिक्स के जरिए डिसेबल किया जा सकता है। इससे पहले भी यूक्रेन में रूसी सेना की स्पेशल मिने बटालियन दुश्मन के ठिकानों को ढूंढकर निशाना बना रही है। इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए रूसी सेना एफपीवी-ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है। रूसी सैनिक एफपीवी-ड्रोन में जैविक हथियार जोड़ने के लिए फिटिंग बनाने के लिए 3डी-प्रिंटर का इस्तेमाल करते हैं। अब इसी ड्रोन का लेटेस्ट वर्जन यूक्रेन के लिए सिरदर्द बन गया है। यूक्रेन परेशान है इसका जवाब कैसे दिया जाए।

परेशानी में ट्रंप, पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स मामले में 10 जनवरी को आएगा फैसला

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक नई मुश्किल खड़ी होने वाली है। 10 जनवरी को पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प को पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देकर चुप कराने के मामले में सजा सुनाई जाएगी। मामले की सुनवाई करने वाले जज जुआन मर्चेन ने कहा कि ट्रम्प व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल माध्यम से सजा सुनने के वक्त कोर्ट में मौजूद हो सकते हैं।

दरअसल 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रम्प ने कथित तौर पर डेनियल्स को पैसे दिए ताकि वह उनके साथ कथित यौन संबंधों के बारे में सार्वजनिक रूप से बात न करें। इस मामले में मैनहैटन कोर्ट ने पिछले साल मई में ट्रंप पर 34 आरोप तय किए थे। वहीं ट्रम्प ने मामले को अवैध राजनीतिक हमला करार दिया है। उन्होंने जज मर्चेन को कट्टरपंथी और पक्षपाती बताया और कहा, यह मामला हमारे संविधान के खिलाफ है। इस तुरंत खारिज किया जाना चाहिए। उनके प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने भी मामले की निंदा कर कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के इम्यूनिटी निर्णय और कानूनी प्रणाली का सीधा उल्लंघन है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जज मर्चेन ने कहा है कि ट्रंप को 20 जनवरी से पहले सजा सुनाना जरुरी है। शपथ ग्रहण के बाद राष्ट्रपति पद की दी गई छूट के कारण ट्रम्प मामले में कानूनी कार्रवाई से बच सकते हैं। उधर ट्रम्प ने मामले को धोखाधड़ी बताकर कहा कि वह इन आरोपों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। ट्रंप समर्थकों का मानना है कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है और उनका उद्देश्य ट्रम्प की छवि खराब करना है।

आतंकी हमले के बाद बाइडेन की दो टूक, आईएसआईएस को बक्शा नहीं जाएगा

वाशिंगटन। न्यू ऑरलियंस में हुए आतंकी हमले के बाद अमेरिका आईएसआईएस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकता है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वादा किया कि अमेरिका आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी संगठनों का लगातार पीछा करेगा। बाइडेन ने कहा, हम आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी संगठनों का लगातार पीछा करने वाले है। जहां वे हैं और उन्हें कोई सुरक्षित पनाहगाह नहीं मिलेगी। इस बीच न्यू ऑरलियन्स के बॉर्बन स्ट्रीट में उम्मीद और वादे के साथ रेस्तरां और बार फिर से खुल गए। शहर और देश को झकझोर देने वाले हमले के बाद भले ही पर्यटकों की संख्या कम हो गई हो, लेकिन न्यू ऑरलियन्स के फ्रेंच क्वार्टर इलाके की इस लोकप्रिय सड़क पर पर्यटकों के साथ-साथ लोग भी वापस आ गए हैं। इस सड़क के मशहूर बैंड भी वापस आ गए हैं। बता दें बॉर्बन स्ट्रीट में एक संदिग्ध आईएसआईएस आतंकी ने तेज रफ्तार ट्रक घुसा दिया था। हमले में 14 लोगों की मौत हुई और दर्जनों लोग घायल हो गए। ट्रक कथित तौर पर टेक्सास निवासी 42 वर्षीय संदिग्ध शम्सुद्दीन जब्बार चला रहा था इस सुरक्षाबलों ने मार गिराया। जांचकर्ताओं का मानना है कि जब्बार ने अकेले ही घटना को अंजाम दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एफबीआई का कहना है कि वाहन में इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस या आईएस) का झंडा मिला है।

डोभाल से मुलाकात करने दिल्ली पहुंच रहे अमेरिकी एनएसए सुलिवन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन पांच और छह जनवरी को भारत की यात्रा पर जाएंगे, जहां वह अपने समकक्ष अजीत डोभाल और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करने वाले है।

सुलिवन, पद छोड़ने से पहले भारत की अपनी यात्रा के दौरान दिल्ली के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में भारत-केंद्रित विदेश नीति पर भाषण भी देने वाले है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने वाले हैं, और उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद सांसद माइकल वाल्ट्ज को दिया गया। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि सुलिवन की यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है।

तीन मोर्चों में जंग लड़ रहे इजरायली सैनिकों में आत्महत्या के मामले बढ़े, चिंतित नेतन्याहू खुद मैदान में उतरे

तेलअवीव (एजेंसी)। साल 2024 में इजरायल पूरी तरह युद्ध फंसा दिखाई दिया और नये साल में यहूदी देश के खिलाफ युद्ध का नए मोर्चे खुलने से जंग में और ज्यादा फंसे रहने की उम्मीद है। अक्टूबर 2023 में हमास द्वारा किए भीषण हमले के बाद इजरायल दुश्मन देशों पर कहर बनकर टूट रहा है। पहले हमास फिर लेबनान और अब नए साल के साथ ही यमन के हूती विद्रोहियों के साथ इजरायल की जंग शुरू हो चुकी है। लेकिन युद्ध के तीन मोर्चों में उलझे इजरायली सैनिकों की मनोस्थिति ठीक नहीं है। इजरायल की फौज यानी आईडीएफ का डेटा कहता है कि युद्ध शुरू होने के बाद से सैनिकों में आत्महत्या की संख्या बढ़ी है। 2023 और 2024 में 38 सैनिकों ने सुसाइड किया। हमास के खिलाफ शुरू हुए युद्ध के बाद से आत्महत्या के 28 मामले सामने आए। चिंतित नेतन्याहू सरकार ने सैनिकों की आत्महत्या रोकने के लिए 800 से ज्यादा डॉक्टरों की टीम को मदद के लिए उतार दिया है। वे लगातार सैनिकों की काउंसलिंग कर रहे हैं।

आईडीएफ ने बीते दो वर्षों में हुई मौतों के आंकड़े जारी कर कहा है कि युद्ध के दौरान सेना में आत्महत्याओं की संख्या में वृद्धि देखी गई है। जहां 2023 और 2024 में 38 सैनिकों ने आत्महत्या की है, उसमें से 28 ने 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमले के बाद आत्महत्या की। 2022 में आईडीएफ में 14 आत्महत्याएं दर्ज हुईं और 2021 में यह संख्या 11 थी।

वहीं आईडीएफ के अनुसार, 558 सैनिक मारे गए, जिसमें 512 की जंग के दौरान मौत हुई। दुर्घटनाओं में 16 सैनिकों की मृत्यु हुई, जिसमें प्रशिक्षण के दौरान दो, नागरिक कार दुर्घटनाओं में चार, सैन्य कार दुर्घटनाओं में पांच, एक आकस्मिक हथियार विस्फोट के परिणामस्वरूप और 10 की बीमारी से मौत हुई। 2024 में, आईडीएफ ने सेना में कुल 363 मौतें दर्ज कीं, जिनमें युद्ध के दौरान परिचालन गतिविधि में 295 और आतंकवादी हमलों में 11 मौतें शामिल हैं। दुर्घटनाओं में 23 सैनिक मारे गए, 17 नागरिक कार दुर्घटनाओं में, तीन सैन्य कार दुर्घटनाओं में तथा 13 की मृत्यु बीमारी के कारण हुई।

युद्ध की शुरुआत से लेकर अब तक आईडीएफ के 891 सैनिक मारे गए हैं। इसमें 7 अक्टूबर के हमले के दौरान 329, गाजा में लड़ाई के दौरान करीब 390, उत्तरी इजरायल पर हमलों में 37, लेबनान के अंदर लड़ाई के दौरान 50 और वेस्ट बैंक में 11 सैनिक मारे गए।

आईडीएफ के आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष के दौरान आईडीएफ में कुल मृत्यु दर में 2023 की तुलना में कमी आई है, लेकिन आत्महत्याओं की संख्या में वृद्धि हुई है। आईडीएफ का कहना है कि 2024 में कम से कम 21 सैनिकों ने आत्महत्या कर दी, जिसमें सात भर्ती किए गए सैनिक, दो कैरियर सैनिक और 12 रिजर्व सैनिक शामिल हैं। आईडीएफ ने बताया कि सेना में आत्महत्याओं को रोकने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। सैनिकों की काउंसलिंग के लिए 24 घंटे सातों दिन हेल्पलाइन शुरु की गई है। अक्टूबर 2023 में सेल के स्थापित करने के बाद से काउंसलिंग के लिए 3900 से अधिक कॉल प्राप्त हुए हैं। आईडीएफ ने युद्ध के दौरान सैनिकों की मनोस्थिति ठीक करने के लिए 800 से अधिक डॉक्टरों की टीम को भी नियुक्ति किया है।

महामारी के चलते श्मशानों पर लाशों का ढेर लगा, फिर भी झूठ पर झूठ बोल रहा है चीन

बीजिंग(एजेंसी)। कई बार प्रमाणित हो चुका है कि चीन झूठ बोलने में माहिर है। कोरोनाकाल में तमाम सबूत होने के बाद भी वो झूठ बोलता रहा। इस बार भी चीन में कोरोना वायरस जैसी बीमारी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) तेजी से फैल रही है। वहां के अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं। यहां तक श्मशानों में भी शवों की दफनाने के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं, लेकिन चीन इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं है।

उसने सोशल मीडिया पर प्रसारित इस तरह के वीडियो को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि जैसा दिखाया जा रहा है, वैसा कुछ भी नहीं। बीजिंग ने तो यहां तक कह दिया कि विदेशी टूरिस्टों के लिए चीन पूरी तरह से सुरक्षित है। चीन का यह बयान ठीक वैसा ही है, जैसा कि उसने पांच साल पहले कोरोना के समय दिया था। उसने कभी नहीं माना कि कोविड-19 वायरस उनके देश से फैला। चीन ने शुक्रवार को देश में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरों को कमतर बताया, यह कहते हुए कि इस साल सर्दियों में होने वाली सांस संबंधी बीमारियों के मामले पिछले साल की तुलना में कम गंभीर हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा करना बिल्कुल सुरक्षित है।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया को चीन में इन्फ्लूएंजा ए और अन्य श्वसन बीमारियों के प्रसार पर एक सवाल के जवाब में बताया, उत्तर गोलार्ध में सर्दियों के मौसम के दौरान श्वसन संक्रमण का प्रकोप बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, बीमारियां पिछले साल की तुलना में कम गंभीर और छोटे पैमाने पर फैलती दिख रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि चीनी सरकार चीनी नागरिकों और चीन में रहने वाले विदेशियों के स्वास्थ्य की परवाह करती है। चीन में यात्रा करना सुरक्षित है।' चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने यह भी बताया कि चीन की राष्ट्रीय रोग नियंत्रण और रोकथाम प्रशासन ने सर्दियों में श्वसन रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पिछले कुछ दिनों से चीन में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरें विदेशों में, खासकर भारत और इंडोनेशिया में, फैल रही हैं। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि यह प्रकोप हर साल सर्दियों के दौरान होता है।

ईपीडीएम रासायनिक से बनकर तैयार होगा रोज गार्डन पार्क का ट्रैक-मोना श्रीनिवास

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। बुजुर्गों एवं पार्कों में हर रोज घूमने वाले लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए दिल्ली चाणक्यपुरी के एक पार्क से प्रेरित होकर फरीदाबाद नगर निगम द्वारा भी जल्द ही एनआईटी स्थित रोज गार्डन का सौंदर्यकरण किया जाएगा। इस सौंदर्यकरण के कार्य में खास बात यह होगी कि इस गार्डन में ईपीडीएम ट्रैक बनवाया जाएगा, इसके लिए नगर निगम फरीदाबाद कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने अधिकारियों को जल्द से जल्द इस दिशा में कार्य को शुरू कराने के निर्देश दिए। निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने कहा कि फरीदाबाद में ईपीडीएम ट्रैक से बनने वाला यह पहला पार्क होगा,इससे पहले ऐसे ट्रैक खेल स्टेडियम में खिलाडियों के दौडने के लिए देखे जा सकते थे। ईपीडीएम ट्रैक की लाइफ अन्य मैटीरियल से बने ट्रैकों से बहुत ज्यादा है और इस ट्रैक पर घूमने और दौडने के भी लाभ हैं। इसे एथलीन प्रोपलीन डायन मोनोमर रबर कहा जाता है। इससे बने ट्रैक लोचदार (लचीले)होते हैं जिन पर घूमना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है।लोचदार होने की वजह से ट्रैक पर घूमने वाले बुजुर्गों बच्चों के घुटनों का ख्याल रखता है इस ट्रक पर घूमने में थकावट भी कम होती है यही नहीं छोटे बच्चे भी इस ट्रक पर ज़्यादा घूमना पसंद करेगे। निगम आयुक्त ए मोना श्रीनिवास ने कहा कि फ़रीदाबाद में यह प्रयोग पहली बार किया जाएगा, भविष्य में इसके बेहतर परिणामों को देखते हुए अन्य पार्कों में भी इस तकनीक के ट्रैक बनवाने पर विचार किया जाएगा। ईपीडीएम रासायनिक प्रतिरोध की तुलना में कहीं ज़्यादा फ़ायदे देता है। दरअसल, श्वक्कष्ठरू रबर ओजोन, मौसम की स्थिति, पैराबंगनी किरणों और उम्र बढने के प्रति अपने बेहतरीन प्रतिरोध के लिए जाना जाता है। इसके अतिरिक्त, ईपीडीएम सबसे ज़्यादा जलरोधी रबर है। ईपीडीएम ट्रैक ऐसे रासायनिक से बना है जो उच्च तापमान और निम्न तापमान के प्रति प्रतिरोध प्रदान करता है।

समय की प्रतीक्षा न करें, आज ही लक्ष्य गमन प्रारंभ करें-स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। सूरजकुंड रोड स्थित श्री सिद्धदाता आश्रम में नववर्ष के अवसर पर देश-विदेश से हजारों की संख्या में भक्तगण पहुंचे और उन्होंने आश्रम के अधिष्ठाता जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज को उनके जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य ने कहा कि भगवान का नित्य नाम लें, भजन करें। जीवन का कोई भरोसा नहीं है। संतों की वाणी है कि संसार परिवर्तनशील है, इसलिए समय के आने की प्रतीक्षा न करें और आज ही अपने लक्ष्य की तरफ प्रस्थान शुरू करें। उन्होंने कहा कि कर्म का फल कभी नहीं मिटता, अच्छा हो या बुरा। कर्म की गति बड़ी गहन है। कर्म करते जाओ, फल अवश्य मिलेगा इसका विश्वास रखो। बस आपको इतना तो सोचा होगा कि अच्छे कर्म का अच्छा फल और बुरे कर्म का बुरा फल मिलेगा। उन्होंने कहा कि जीव बड़ा होशियार बनता है। उसने गुरु शिष्य संबंध को भी कमर्शियल बना रखा है। वह अपनी मांगों को रखते हुए भगवान से, गुरु से सौदा करता है। लेकिन आप मन में की गई

कामना पूर्ण होने पर लिया गया संकल्प अवश्य पूरा करें। इससे जीवन में आपके अच्छा ही होगा। उन्होंने सभी को संतों की शरण में जाने का संदेश दिया। स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य ने कहा कि कोई भी संत गलत रास्ता नहीं बताता। इस अवसर पर जयपुर से आए भजन गायक संजय पारीख और लोकेश शर्मा ने गुरु सत मार्ग दिखलाए कोई बिरला ही वहां जाए और जगत में कोई न परमानेंट जैसे भजनों से लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर दिल्ली से आई मधुबन आर्ट की टीम ने अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी को झुमा दिया। उन्होंने कर दो कृपा महारानी मोरी शारदा भवानी नामक भजन पर बहुत सुंदर प्रस्तुति दी। इस अवसर पर देश के कोने-कोने और विदेशों से भी आए भक्तों ने गुरु महाराज का प्रवचन सुना और उनसे आशीर्वाद एवं प्रसाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आश्रम का संचालक जनहित सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट और श्री सिद्धदाता आश्रम संचालन समिति द्वारा सभी के लिए अल्पाहार एवं भोजन प्रसाद आशीर्वाद प्रसाद की उत्तम व्यवस्था की गई थी। इस कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट देश दुनिया में बड़ी संख्या में लोगों ने देखा। वहीं स्थानीय प्रशासन की आयोजन में बड़ी सकारात्मक भूमिका देखने को मिली। बता दें कि वर्ष 1989 में स्थापना के समय से ही यहां 1 जनवरी का कार्यक्रम बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाता है और वर्ष 2007 में वर्तमान अधिष्ठाता के आचार्य बनने के बाद उनका जन्मदिन भी इस दिन होने से भक्तों में खास जोश देखने को मिलता है। यहां पिछले दो दिन से रंग-बिरंगी रोशनियों के साथ सिद्धदाता आश्रम एवं श्री लक्ष्मी नारायण दिव्यधाम को जगमग किया हुआ है। जो आने वाले एक हफ्ते तक इसी प्रकार रहने वाला है। बड़ी दूर-दूर से लोग मीडिया के माध्यम से तस्वीरें देखने के बाद श्री सिद्धदाता आश्रम पहुंच रहे हैं।

रेलवे अंडर ब्रिज में डंपर फंसने से ट्रैक हुआ बेल्ट; बड़ा हादसा टला

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। फरीदाबाद में मुंबई से देहरादून जाने वाली देहरादून एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गई। एनएचपीसी रेलवे अंडर ब्रिज में डंपर फंसने के कारण डाउन लाइन पूरी तरह से बेल्ट हो गई थी। जिसे देखकर लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। बुधवार रात करीब 2 30 बजे देहरादून एक्सप्रेस नई दिल्ली की ओर जा रही थी। लोको पायलट ने देखकर तत्काल घटना की सूचना रेलवे के उच्च अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे और धीमी रफ्तार से ट्रेन को पास कर कर मेंटेनेंस का काम शुरू कराया। रात करीब 3 बजे से बंद ट्रैक सुबह करीब साढे 8 30 बजे बहाल किया गया। नुकसान पहुंचाने के कारण सुबह के समय दिल्ली की ओर जाने

वाली एक दर्जन से अधिक एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहा। इन ट्रेनों को फोर्थ लाइन से कौशल के जरिए निकाला गया। रेल अधिकारियों का कहना है कि यदि समय रहते लोको पायलट ने ट्रैक को नहीं देखा होता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। जीआरपी एसएचओ राजपाल ने बताया की अंडरपास में डंपर फंसने से ट्रैक को नुकसान हुआ था। जिसके चलते साढ़े चार घंटे चौथी लाइन से ट्रेन चलाई गई। लेकिन अंडर ब्रिज के नीचे क्षतिग्रस्त हुए गाटर को ठीक करने का कार्य जारी है। वाहनों को मेवला महाराजपुर अंडरपास की ओर डायवर्ट किया गया है। पुलिस डंपर चालक की पहचान करने में जुटी है।

प्रापर्टी टैक्स जमा न करने वाली 12 प्रापर्टी सील

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने निगम के सभी कराधान अधिकारियों और अन्य अधिकारियों के साथ निगम कार्यालय में प्रॉपर्टी टैक्स सम्बंधित बैठक ली थी। बैठक के बाद कराधान अधिकारियों ने अमल करते हुए फरीदाबाद जॉन -1 में गुरुवार को सेक्टर 7 मार्किट, वही एक निजी मॉल के अंदर शॉप नंबर एसए -15 और 18 और एलजी - 06 सहित करीब 12 प्रॉपर्टी जिनके ऊपर लगभग 66,75,659 राशि बकाया हैं उन पर सीलिंग की कार्यवाही की गई है। निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने सभी कराधान अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए है कि अपने अपने संबंधित क्षेत्र में प्रॉपर्टी टैक्स जमा न करने वाले लोगों को नोटिस जारी करें ताकि वे अपना प्रॉपर्टी टैक्स समय रहते जमा करा सकें, अन्यथा ऐसे प्रॉपर्टी मालिकों पर प्रॉपर्टी सीलिंग की कार्यवाही की जायेगी। नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने कहा कि आमजन से अपील की कि वह समयानुसार अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाएं। ताकि वह निगम द्वारा की जाने वाली आगामी कार्यवाही से बच सके। उन्होंने कहा की नगर निगम को प्राप्त होने वाला यह टैक्स शहर के विकास के लिए प्रॉपर्टी मालिको से लिया जाता है। समय पर टैक्स जमा होगा तो शहर का विकास भी बेहतर होगा।

सराय ख्वाजा टीम का नेशनल लेवल कला उत्सव में प्रतिभागिता के लिए प्रस्थान

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा फरीदाबाद की टीम ने नेशनल लेवल कला उत्सव में वरिष्ठ वर्ग के सामूहिक नृत्य में प्रतिभागिता के लिए भोपाल के लिए प्रस्थान किया। विद्यालय में प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा और समस्त स्टाफ सदस्यों ने हृदय की गहराइयों से अभिनंदन करते हुए टीम को शुभकामनाएं दी। इस से पूर्व विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड अधिकारी प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा, टीम लीडर प्राध्यापिका ज्योति एवं अन्य अध्यापकों ने स्टेट लेवल कला उत्सव में प्रथम आने पर छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि उल्लेखनीय है कि कुरुक्षेत्र में हरियाणा कला उत्सव का राज्य स्तरीय कॉम्पिटिशन

आयोजित किया गया था जिस में वरिष्ठ वर्ग में सामूहिक नृत्य में विद्यालय की पांच जूनियर रेडक्रॉस सदस्य छात्राओं ने प्रतिभागिता की थी। विद्यालय परिवार ने सराय ख्वाजा फरीदाबाद टीम के नेशनल लेवल कला उत्सव के लिए भोपाल के एन सी ई आर टी के रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन और पी एस एस सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन प्रस्थान करने पर शुभकामनाएं देते हुए उत्साहवर्धन किया। सराय ख्वाजा की टीम को हजरत निजामुद्दीन नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से हरियाणा राज्य के कॉर्डिनेटर एवं इवेंट हेड अध्यापिका शालू ग्रोवर एवं अन्य अध्यापकों द्वारा भोपाल तक ले जाया जाएगा। प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि विद्यालय की इस सफलता का श्रेय सराय ख्वाजा स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों के टीम वर्क को दिया और कहा कि जब सभी मिल कर टीम के रूप में कार्य करते है तो आप को सफलता अवश्य प्राप्त होती है। उन्होंने समस्त स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों को पुनः बधाई देते हुए कहा कि आप सब इसी प्रकार से अपने कार्य को और भी समर्पित भाव से परिश्रम से करते रहे आप के जीवन में और भी सफलताएं आप का स्वागत करेंगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक दिनेश शर्मा द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित करवाकर मुख्य कार्यालय 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से प्रकाशित किया।
पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। फोन : 011-26386221 मो. : 9810635211 DCP Licencing No. F.2 (F-10) Press/2017 RNI No. - DELHIN/2017/76338